डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | 198 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 27 जून 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

उप-राष्ट्रपति वेंस ने कबूला-ईरान का 400 किलो यूरेनियम गायब...

● तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर झूठ पर झूठ बोल रहा अमेरिका

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्वीकार किया है कि अमेरिका के हमले के बाद ईरान का 400 किलो यूरेनियम 'गायब' हो गया है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एबीसी न्यूज से बात करते हुए इसकी पुष्टि की है। उन्होंने माना है कि पिछले हफ्ते ईरान की तीन परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के हवाई हमलों के बाद यूरेनियम का 400 किलोग्राम भंडार गायब हो गया है। उन्होंने माना है कि 400 किलो संवर्धित यूरेनियम से कम से कम 10 परमाणु बमों का निर्माण हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक ये 400 किलो यूरेनियम करीब 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और परमाणु बम बनाने के लिए 90 प्रतिशत संवर्धित होना जरूरी है। दावा किया गया था कि ईरान 3-4 हफ्तों में 60 प्रतिशत से 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धित कर लेता, इसीलिए इजरायल ने ईरान पर हमला किया था। रिपोर्ट के मुताबिक 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम को ईरान के प्रमुख स्थलों पर संग्रहीत किया गया था और अब माना जाता है कि अमेरिका के हमले से पहले इसे हटा दिया गया था।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर झूठ बोल रहा अमेरका?- अमेरिका, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर जो कहानी बना रहा है, वो माथा चकराने वाला है। अमेरिकी अधिकारी खुद बार-बार बयान बदल रहे हैं। इजरायल के पहले हमले के बाद सीएनएन की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने आकलन किया है कि ईरान सक्रिय रूप से परमाणु बम नहीं बना रहा है और उसे अभी भी एक बम बनाने में लगभग तीन साल लगेंगे।

परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाया तो फिर करेंगे हवाई हमले... ट्रंप ने ईरान को फिर धमकाया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को नीदरलैंड के हेग में नाटो समिट में मीडिया से बात की। इसमें उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू किया तो फिर हमला करेंगे। ट्रम्प ने कहा कि 22 जून को अमेरिकी हमले के बाद इजराइली एजेंट्स ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट गए थे। उन्होंने ही बताया कि फोर्डो न्यूक्लियर साइट पूरी तरह तबाह हो गई है।

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु अंतरिक्ष के लिए उड़ान भर रचा इतिहास

● शुभांशु बोले- व्हाट ए राइड, कहा- कंधे का तिरंगा देश से जोड़े हुए है ● लॉन्चिंग सफल होने पर भावुक हुए माता-पिता, बचपन से लगनशील थे, लगातार कोशिशों का परिणाम मिला ● राष्ट्रपति-पीएम मोदी ने दी बधाई

फ्लोरिडा (एजेंसी)। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए। उनका ये मिशन पहले 6 बार तकनीकी दिक्कतों के कारण टल चुका था। उनके साथ तीन अन्य एस्ट्रोनॉट भी स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए।

अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद शुभांशु ने कहा- व्हाट ए राइड। मेरे कंधे पर लगा तिरंगा बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। वहीं लॉन्चिंग सफल होने पर शुभांशु के माता-पिता आशा शुक्ला और शंभु दयाल शुक्ला भावुक हो गए। उन्होंने बेटे की सफलता पर ताली बजाकर खुशी जताई।

मिशन भारतीय समयानुसार दोपहर करीब 12:00 बजे फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में सभी एस्ट्रोनॉट ने उड़ान भरी। ये स्पेसक्राफ्ट करीब 28.5 घंटे के बाद 26 जून को शाम 04:30 बजे ISS से जुड़ेगा।

41 साल बाद कोई भारतीय एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष में गया- अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे 41 साल पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

शुभांशु का ये अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय गगनयात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है। इसके 2027 में लॉन्च होने की संभावना है।

पीएम मोदी बोले-

1.4 बिलियन भारतीयों की इच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गए- हम भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हैं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं। वे अपने साथ 1.4 बिलियन भारतीयों की इच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गए हैं। उन्हें और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को सफलता की शुभकामनाएं! राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्सिओम-4 मिशन पर कहा कि शुभांशु शुक्ला ने नया मील का पत्थर स्थापित किया, पूरा देश एक भारतीय की अंतरिक्ष यात्रा से उत्साहित और गौरवान्वित है।

सीएम योगी ने दी शुभकामनाएं- शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह भारत के लिए गर्व का क्षण है। **यह एक बड़ी छलांग है:** केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, यह एक बड़ी छलांग है।

आमिर खान ने की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात

सितारे जमीन पर, राष्ट्रपति भवन में रखी थी स्पेशल स्क्रीनिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। आमिर खान ने दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। बुधवार को ये मुलाकात दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में हुई, जहां आमिर ने अपनी हालिया रिलीज फिल्म

सितारे जमीन पर की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी थी। इस दौरान फिल्म की पूरी कास्ट मौजूद थी। प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म से इसकी जानकारी देते हुए स्पेशल स्क्रीनिंग की तस्वीरें शेयर की गई हैं। पोस्ट में आमिर खान और द्रौपदी मुर्मू की तस्वीर के साथ लिखा गया है, पॉपुलर फिल्ममेकर और एक्टर श्री आमिर खान ने प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की है।

थरूर पर खड़गे बोले-

कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट, हमारे लिए देश पहले

नई दिल्ली/मॉस्को (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर अन्य सांसदों के साथ गयाना, पनामा, कोलंबिया, ब्राजील और अमेरिका गए थे। वहां से लौटकर 10 जून को पीएम मोदी डेलीगेशन में गए सांसदों से मिले थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में

बुधवार को शशि थरूर को लेकर कहा- मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन उनकी (थरूर की) लैंग्वेज बहुत अच्छी है। इसलिए हमने उन्हें पार्टी की वर्किंग कमेटी का मेंबर बनाया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि पूरे विपक्ष ने मिलकर कहा कि हम आर्मी के साथ हैं। हमारे लिए देश पहले है, लेकिन कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट हैं। सोमवार को द हिंदू में पब्लिश एक आर्टिकल में थरूर ने लिखा था कि मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और जुड़ने की इच्छा वैश्विक मंच पर भारत के लिए प्रमुख संपत्ति बनी हुई है, लेकिन उन्हें और ज्यादा सपोर्ट मिलना चाहिए।

सोनम-राज ने गुनाह कबूला

बोले- हां, हमें एक-दूसरे से प्यार है

● शिलॉन्ग पुलिस के सामने पहली बार रिलेशन की बात कही; इंदौर में मिली सोनम की अवैध पिस्टल

इंदौर (एजेंसी)। राजा रघुवंशी के मर्डर की आरोपी सोनम और राज कुशवाह ने शिलॉन्ग पुलिस के सामने पहली बार रिलेशन में होने की बात कही है। शिलॉन्ग एसपी विवेक स्येम ने बताया कि दोनों ने पूछताछ में कहा- हम एक-दूसरे से प्यार करते हैं। दोनों ने पहले ही अपराध स्वीकार कर लिया है। हमारे पास सबूत हैं। सोनम और राज कुशवाह के बीच प्रेम संबंध थे और दोनों ने राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रची थी। मुझे नहीं लगता कि हमें इस स्तर पर (नैरो एनालिसिस टेस्ट) क्यों करना चाहिए। इधर, इंदौर में शिलॉन्ग एसआईटी ने सोनम की अवैध पिस्टल बरामद की है। ये पिस्टल इंडस्ट्रीज हाउस के पीछे नाले में एक सफेद थैली में मिली, जो सोनम के बैग में थी।

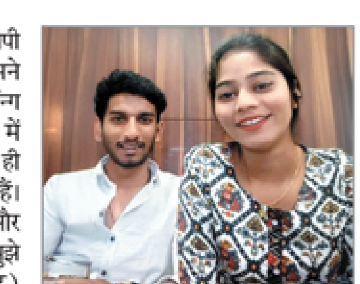

सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 2026 से 2 बार होगी

● पहली परीक्षा कम्पल्सरी, दूसरी ऑप्शनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीएसई यानी सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन साल 2026 से 10वीं क्लास के बोर्ड एग्जाम्स दो बार कराएगा। इसके लिए अब मंजूरी मिल चुकी है। एग्जामिनेशन कंट्रोलर संयम भारद्वाज ने यह जानकारी दी है।

पहली परीक्षा सभी छात्रों के लिए जरूरी होगी। पहली परीक्षा फरवरी और दूसरी मई में होगी। नतीजे अप्रैल और जून में जारी किए जाएंगे। 12वी बोर्ड पर अभी यह फैसला लागू नहीं होगा।

कुल्लू में 3 जगह बादल फटा, 3 लोग बहे

● सूरत में बारिश के बाद बाढ़, म.प्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान में भारी बारिश का अलर्ट ● हल्द्वानी में 4 की मौत, जम्मू में युवक का रेस्क्यू

शिमला/ नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बुधवार को दो जगह बादल फटा। सैंज घाटी में जीवा नाला उफान पर आ गया और मणिकर्ण के ब्रम्हगंगा में बादल फटने से यहां के नदी-नालों का जल स्तर अचानक से बढ़ गया।

उत्तराखंड के हल्द्वानी में बुधवार सुबह एक कार नहर में गिर गई। 7 लोगों में 4 की मौत हो गई। इनमें तीन दिन का बच्चा भी शामिल है। पीड़ित अस्पताल से बच्चे की डिलीवरी के बाद घर जा रहे थे।

जम्मू में मंगलवार रात हुई भारी बारिश के चलते तवी नदी उफान पर है। इसमें एक शख्स फंस गया। SDRF के लोगों ने सीढ़ी के सहारे उसका रेस्क्यू किया। गुजरात के सूरत का अधिकांश हिस्सा बाढ़ की चपेट में है। कई सोसाइटियों में पानी भर गया। लोगों को ट्रैक्टर के जरिए रेस्क्यू किया गया। परवत पाटिया इलाके में 5 फीट से ज्यादा पानी भरा हुआ है। यहां बीमार बुजुर्ग को स्ट्रेचर पर लिटाकर पानी से निकालकर एम्बुलेंस तक ले जाया गया।

पहाड़ों पर भारी बारिश की संभावना- मध्य भारत के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी गुजरात और राजस्थान के कई हिस्सों में भी भारी बारिश के संकेत हैं। अगले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी तेज बारिश हो सकती है। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में 26 जून से मानसून सक्रिय होने के साथ बारिश तेज होने की संभावना है। मध्य प्रदेश के ऊपर से ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है।

जमीन मालिकों के लिए खुशखबरी

नीतीश सरकार ने लॉन्च किया नया पोर्टल

पटना (एजेंसी)। अब आम जनता को जमीन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं होगी। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने आम लोगों की सुविधा के लिए ऑनलाइन जन शिकायत पोर्टल की शुरुआत की है।

इसके माध्यम से भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, नक्शा, परिमापन, खतियान संशोधन जैसे मामलों की शिकायतें अब घर बैठे मोबाइल या कंप्यूटर से की जा सकती हैं।

पहले की व्यवस्था से जनता को होती थी परेशानी

अब तक लोगों को जमीन से संबंधित शिकायतों को लेकर अंचल, प्रखंड और जिला कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते थे। महीनों तक फाइलें लंबित रहती थीं और कई बार तो सुनवाई भी नहीं होती थी। दलालों और बिचौलियों का बोलबाला आम लोगों खासकर गरीबों और ग्रामीणों का आर्थिक शोषण करता था। शिकायतों की मॉनिटरिंग की कोई ठोस व्यवस्था नहीं थी, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव बना रहता था।

इमरजेंसी के 50 साल-पीएम सहित पूरी कैबिनेट ने मौन रखा

मोदी ने लिखा- कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद किया; खड़गे का जवाब- ये झूठ छिपाने का नाटक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक में आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर एक प्रस्ताव पास किया गया। इसके बाद आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि के रूप में दो मिनट का मौन रखा गया। इससे पहले बुधवार सुबह पीएम मोदी ने आपातकाल को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि इस दिन कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद कर लिया था। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दी थी। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जवाब दिया कि, ये लोग अपनी गलती छिपाने के लिए यह सब नाटक करते हैं।

दरअसल 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी। यह 21 मार्च 1977 यानी 21 महीने तक लागू रहा था। भाजपा इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाती है। इमरजेंसी को लेकर मोदी ने लिखा, यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं।

खड़गे बोले- बीजेपी का न संविधान बनाने में, न आजादी में कोई योगदान- उधर इमरजेंसी को लेकर बीजेपी की तरफ से लगाए जा रहे आरोपों पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने कहा, जिस बात को 50 साल हो गए, ये लोग उसे बार-बार दोहरा रहे हैं। जिनका देश की आजादी के आंदोलन में कोई योगदान नहीं, जिनका संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। वे हमेशा संविधान के खिलाफ बात करते हैं।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में अहम फैसले

आगरा में बनेगा अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र, पुणे मेट्रो फेज-2 को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कैबिनेट बैठक में तीन अहम फैसलों पर मुहर लगाई। आपातकाल की 50वीं बरसी के मौके पर कैबिनेट ने एक प्रस्ताव पास किया। इस प्रस्ताव में 1975 में लगे आपातकाल को 'लोकतंत्र की हत्या' बताया गया और इसकी कड़ी निंदा की गई है। इसके साथ ही आगरा में एक अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र बनाने और पुणे मेट्रो के फेज-2 को मंजूरी दी गई। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हुए प्रस्ताव पारित किया।

पुणे मेट्रो रेल परियोजना चरण-2 को मंजूरी- केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना चरण-2 को मंजूरी दी।

झरिया कोल फील्ड के लिए मास्टर प्लान- सरकार ने झारखंड के कोयला क्षेत्र झरिया में भूमिगत आग से निपटने और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए बुधवार को 5,940 करोड़ रुपये के संशोधित झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) को मंजूरी दी।

पंजाब के पूर्व अकाली मंत्री मजीठिया गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब विजिलेंस ने पूर्व अकाली मंत्री बिक्रम मजीठिया को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी आय से अधिक संपत्ति के केस में की गई है। अमृतसर से गिरफ्तार करने के बाद विजिलेंस की टीम मजीठिया को मोहाली ले गई। जहां उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा।

इस बीच अकाली दल के नेताओं और समर्थकों का कोर्ट के बाहर पहुंचना शुरू हो गया है, कार्यकर्ता यहां पर जमकर नारेबाजी कर रहे हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

आत्मनिर्भर भारत की अंतरिक्षीय उड़ान

भारत ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में जो प्रगति की है, उसमें अंतरिक्ष विज्ञान एक ऐसा क्षेत्र है जो न केवल देश की वैज्ञानिक क्षमता का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और गौरव का भी परिचायक बन चुका है। कभी जिन संसाधनों की भारी कमी थी, जहां रॉकेटों को साइकिल और बैलगाड़ियों पर ढोया जाता था, वही भारत आज अपनी स्वदेशी तकनीक से चांद और सूरज तक पहुंच चुका है। यह विकास आकस्मिक नहीं बल्कि वर्षों की मेहनत, दूरदर्शिता, वैज्ञानिक सोच और आत्मनिर्भर बनने की ठोस नीतियों का परिणाम है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत 1960 के दशक में हुई थी। उस समय न तो भारत के पास आधुनिक प्रयोगशालाएं थीं, न प्रशिक्षित वैज्ञानिकों की बड़ी टीम और न ही अंतरिक्ष तकनीक को विकसित करने के लिए आवश्यक पूंजी। लेकिन वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई जैसे दूरदृष्टा नेतृत्व में एक सपना देखा गया कि भारत भी अंतरिक्ष विज्ञान में अपनी पहचान बनाएगा। यह सपना महज़ कल्पना नहीं रहा, बल्कि एक-एक कदम आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाते हुए भारत ने इसे हकीकत में बदला।

जब 2008 में भारत ने अपना पहला चंद्र मिशन चंद्रयान-1 लॉन्च किया, तो यह केवल तकनीकी प्रयोग नहीं था, बल्कि यह एक ऐलान था कि भारत अब अपने बलबूते अंतरिक्ष विज्ञान में गंभीर दावेदार बन चुका है। चंद्रयान-1 की सबसे बड़ी उपलब्धि चंद्रमा पर पानी की खोज थी, जिसे बाद में दुनिया के वैज्ञानिक समुदाय ने भी मान्यता दी। इसके बाद भारत ने मंगल की ओर अपनी दृष्टि घुमाई और 2013 में 'मंगलयान' मिशन को लॉन्च किया। यह मिशन इसलिए ऐतिहासिक बन गया क्योंकि भारत पहले ही प्रयास में मंगल की कक्षा में प्रवेश करने वाला पहला देश बना और उसने यह सब बेहद कम बजट में कर दिखाया।

भारत की अंतरिक्ष विज्ञान में आत्मनिर्भरता केवल कुछ मिशनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक सोच और रणनीति का हिस्सा है। इसरो ने जिन रॉकेटों और प्रक्षेपण यंत्रों को विकसित किया है, वे पूरी तरह से स्वदेशी हैं। PSLV (पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) और GSLV (जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) जैसी प्रणालियाँ न केवल भारत की ज़रूरतें पूरी करती हैं, बल्कि अब अन्य देशों के उपग्रह भी हमारे देश से छोड़े जाते हैं। यह हमारी वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक विश्वसनीयता का जीवंत उदाहरण है।

भारत की सबसे बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धियों में से एक रही चंद्रयान-3 की सफलता। जब विश्व की बड़ी-बड़ी अंतरिक्ष एजेंसियाँ चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतर नहीं पाईं, तब भारत ने अपनी ही विकसित तकनीक और वैज्ञानिकों के परिश्रम से यह कर दिखाया। चंद्रयान-3 ने यह साबित किया कि भारत केवल मिशन पूरा करने में सक्षम नहीं है, बल्कि वह अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को भी स्वदेशी संसाधनों से प्राप्त कर सकता है। इसी आत्मनिर्भरता की वजह से आज भारत पूरी दुनिया में अंतरिक्ष विज्ञान की अग्रणी शक्तियों में गिना जाने लगा है।

सिर्फ चंद्रमा या मंगल तक ही नहीं, भारत ने सूरज की ओर भी कदम बढ़ाए हैं। आदित्य एल-1 मिशन, जो सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला भारतीय मिशन है, इसका पूरा डिज़ाइन, तकनीक और यंत्र भारत में ही बनाए गए हैं। इस मिशन के माध्यम से भारत यह साबित कर रहा है कि वह सिर्फ अनुसरण नहीं करता, बल्कि खोज और शोध के क्षेत्र में अग्रसर भी है।

अंतरिक्ष विज्ञान में आत्मनिर्भरता का प्रभाव केवल वैज्ञानिक सीमाओं तक नहीं रहता, बल्कि इसका सीधा संबंध आम लोगों के जीवन से भी है। आज मौसम की सटीक जानकारी, प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी, कृषि भूमि का अवलोकन, संचार व्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में भारत के उपग्रह अहम भूमिका निभा रहे हैं। देश के दूरदराज़ के गांवों में इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क की सुविधा भी अंतरिक्ष विज्ञान की बदौलत ही संभव हो पाई है। यानी जो क्षेत्र कभी केवल विज्ञान का हिस्सा माना जाता था, वह आज आत्मनिर्भर राष्ट्र की जड़ों को सींच रहा है।

12वीं के बाद करियर की सही राह

जयपुर। अक्सर 12वीं क्लास पास करने के बाद अधिकांश स्टूडेंट कंफ्यूज रहते हैं कि अब वे क्या करें। एजुकेशन स्पेशल सीरीज में आज हम आपके इसी कन्फ्यूजन को दूर करेंगे। अपनी रुचि के अनुसार अपने आगे की भविष्य की रणनीति बना सकते हैं। 2वीं के बाद स्टूडेंट्स के पास स्नातक डिग्री, प्रोफेशनल कोर्स, सरकारी नौकरियां, स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग और उभरते करियर क्षेत्रों जैसे अनेकों ऑप्शन होते हैं। 12वीं कक्षा के बाद ही सही मायने में करिअर की दिशा तय होती है। 12वीं के बाद का समय सबसे ज्यादा निर्णायक होता है। ऐसे में स्टूडेंट्स सोच-विचार के बाद आगे की रणनीति बनाए।

साइंस स्ट्रीम वालों के पास ये ऑप्शन

साइंस सब्जेक्ट के मुख्य तीनों सब्जेक्ट (PCM/PCB /PCMB) मे करियर के अच्छे ऑप्शन हैं। इनमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ वाले स्टूडेंट्स सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, सीएस, एआई, डेटा साइंस प्योर एंड हेल्थ साइंसेज से बी.ई. या बी.टेक कर सकते हैं। इसके अलावा फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मैथ्स, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी अन्य स्ट्रीम वाले बीएससी नर्सिंग, बीपीटी (फिजियोथैरेपी), बीएमएलटी (लैब टेक्नोलॉजी), बीफार्मा (4 वर्ष), डीफार्मा (2 वर्ष) कर सकते हैं। इसके अलावा आर्किटेक्चर एंड डिजाइन बी.आर्क (5 वर्ष) और बी. डिजाइन वाले इंडस्ट्रियल, फैशन, इंटीरियर और ग्राफिक डिजाइनिंग में अपना करियर बना सकते हैं।

कॉमर्स स्ट्रीम के पास ये ऑप्शन

कॉमर्स स्ट्रीम के स्टूडेंट्स बीकॉम / बीकॉम (ऑनर्स) की पढ़ाई कर सकते हैं। इसमें वे अकाउंटिंग, फाइनेंस, टैक्सेशन को अपना भविष्य बना सकते हैं। इसके अलावा बीबीए वाले मार्केटिंग, एचआर, इंटरनेशनल बिजनेस और बीसीए में कंप्यूटर एप्लीकेशन बीएएफ (अकाउंटिंग एंड फाइनेंस), बीएफएम (फाइनेंशियल मार्केट्स) की पढ़ाई कर सकते है। इसके अलावा फिर वे सीएमए फाउंडेशन सरकारी नौकरियां (12वीं पास स्तर) IBPS क्लर्क, IBPS PO, RBI ग्रेड B, IRS और IES सर्विसेज की तैयारी भी कर सकते हैं।

आर्ट्स और ह्मैनिटीज स्ट्रीम में ऑप्शन

12वीं के बाद स्टूडेंट्स इंग्लिश, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी, पॉलिटिकल साइंस, हिस्ट्री, जियोग्राफी सहित अन्य विषयों में अच्छी यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन बीजेएमसी (पत्रकारिता एवं जनसंचार), बीएफए (फाइन आर्ट्स) में अपना भविष्य बना सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन: पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर ख़तरा

आज जब हम विकास, तकनीक और औद्योगिकीकरण की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, तो दूसरी ओर एक ऐसा संकट हमारे सिर पर मंडरा रहा है, जो न सिर्फ़ प्रकृति को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व पर भी सवाल खड़ा कर रहा है। यह संकट है—जलवायु परिवर्तन का। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे हम अब नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते, क्योंकि इसके प्रभाव हमारे चारों ओर साफ़-साफ़ दिखने लगे हैं—बढ़ती गर्मी, बेमौसम बारिश, भीषण बाढ़, जंगलों की आग, समुद्री तूफान और सूखा, सब कुछ इसका संकेत हैं कि हमारी पृथ्वी गहरे संकट में है।

जलवायु परिवर्तन का अर्थ

जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज का अर्थ है पृथ्वी के तापमान और मौसमी बदलावों में दीर्घकालिक परिवर्तन। यह कोई सामान्य प्राकृतिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि मानव गतिविधियों—विशेष रूप से औद्योगीकरण, वनों की कटाई, और जीवाश्म ईंधनों (कोयला, पेट्रोल, डीज़ल आदि) के अत्यधिक उपयोग के कारण उत्पन्न हुई आपदा है। पिछले सौ वर्षों में पृथ्वी का औसत तापमान लगभग 1.1 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है और यह वृद्धि लगातार जारी है।

जलवायु परिवर्तन का असर केवल मौसम पर ही नहीं पड़ता, बल्कि यह मानव जीवन, अर्थव्यवस्था, जैव विविधता, और वैश्विक राजनीति तक को प्रभावित करता है। नीचे इसके प्रमुख परिणाम (परिणामों की सूची) दिए जा रहे हैं:

1. तापमान में लगातार वृद्धि- पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता जा रहा है। लू (हीटवेव) की घटनाएं बढ़ रही हैं।

कृषि, जल स्रोत, और मानव स्वास्थ्य पर इसका गंभीर असर हो रहा है।

2. समुद्र स्तर में वृद्धि और तटीय इलाकों का डूबना- ग्लेशियर और ध्रुवीय बर्फ तेजी से पिघल रहे हैं। समुद्रों का जलस्तर बढ़ रहा है। मालदीव, बांग्लादेश, और भारत के तटीय शहरों को डूबने का ख़तरा है।

3. बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं- तूफान, बाढ़, सूखा, और जंगलों में आग की घटनाएं तेज़ी से बढ़ी हैं। बेमौसम बारिश और असामान्य मौसम चक्र नियमित हो गए हैं। इससे कृषि, इंफ्रास्ट्रक्चर और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होता है।

4. खेती-किसानी पर असर- मौसम की अनिश्चितता से फसलें बर्बाद हो रही हैं। सूखा और अत्यधिक बारिश से खाद्यान्न उत्पादन घट रहा है। किसानों की आत्महत्याओं और ग्रामीण पलायन में इज़ाफा हो रहा है।

5. स्वास्थ्य पर प्रभाव- हीट स्ट्रोक, त्वचा रोग, एलर्जी, डेंगू-मलेरिया जैसे रोगों में वृद्धि। स्वच्छ पानी और शुद्ध हवा की कमी से सांस और पेट की बीमारियां फैल रही हैं। कुपोषण की समस्या और मानसिक तनाव भी बढ़ रहे हैं।

6. जैव विविधता पर संकट- कई प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं या खतरे में हैं। समुद्री जीवों से लेकर जंगलों के जानवर तक का जीवन असंतुलित हो रहा है। पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन से पूरी प्राकृतिक श्रृंखला बिगड़ रही है।

7. आर्थिक नुकसान - बाढ़, तूफान, और सूखे जैसी आपदाएं अरबों का नुकसान करती हैं। बीमा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यटन जैसे क्षेत्रों में गिरावट आती है। गरीब देश इससे सबसे ज़्यादा प्रभावित होते हैं क्योंकि उनके पास उपायों की कमी होती है।

8. राजनीतिक और वैश्विक तनाव- जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक सहमति कठिन होती जा रही है। विकसित और विकासशील देशों के बीच ज़िम्मेदारियों को लेकर विवाद है। संसाधनों की होड़ से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में टकराव की आशंका बढ़ती है।

9. भविष्य की पीढ़ियों पर संकट- अगर अभी कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाली पीढ़ियां जलवायु आपदाओं में जन्म लेंगी। बच्चों का स्वास्थ्य, शिक्षा, और जीवन की गुणवत्ता खतरे में होगी। "सस्टेनेबल फ्यूचर" सिर्फ़ एक सपना बनकर रह जाएगा।

दुनिया पर इसके घातक प्रभाव

1. ग्लेशियर का पिघलना और समुद्र स्तर में वृद्धि

हिमालय से लेकर आर्कटिक और अंटार्कटिक तक, बर्फ की चादरें पिघल रही हैं। इससे समुद्र का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो आने वाले दशकों में कई समुद्री तटीय शहर डूब सकते हैं—जैसे कि मुंबई, कोलकाता, न्यूयॉर्क, शंघाई आदि।

2. भीषण गर्मी और सूखा

भारत, पाकिस्तान, अफ्रीका और यूरोप के कई हिस्सों में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी और सूखा पड़ा है। यह न सिर्फ़ इंसानी जीवन के लिए खतरनाक है, बल्कि खेती को भी बर्बाद कर देता है। खाद्यान्न की कमी और जल संकट के हालात बनते जा रहे हैं।

3. बेमौसम बारिश और बाढ़

भारत में मानसून का चक्र बदल रहा है। कहीं बहुत अधिक बारिश हो रही है तो कहीं बिलकुल नहीं। बेमौसम बारिश और अचानक आई बाढ़ से जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है।

4. जंगलों में आग और जैव विविधता का संकट

ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों में जंगलों में लगी आग ने लाखों एकड़ जंगल तबाह कर दिए। इससे न केवल पर्यावरण नष्ट होता है बल्कि लाखों जीव-जंतुओं का जीवन भी संकट में पड़ता है।

5. स्वास्थ्य पर प्रभाव

गर्मी बढ़ने से हीटस्ट्रोक, सांस की बीमारियां, त्वचा रोग, जलजनित रोगों का फैलाव और डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों में भी बढ़ोतरी हो रही है। जलवायु परिवर्तन अब मानव स्वास्थ्य का भी दुश्मन बन चुका है।

विकास बनाम पर्यावरण

जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि दुनिया के सबसे अमीर और विकसित देश इस संकट के लिए सबसे ज़्यादा ज़िम्मेदार हैं, जबकि इसका खामियाज़ा गरीब और विकासशील देशों को भुगतना पड़ रहा है। अमेरिका, चीन, रूस जैसे देश दुनिया के कुल कार्बन उत्सर्जन का बड़ा हिस्सा करते हैं, पर अफ्रीका, दक्षिण एशिया और प्रशांत द्वीपों के गरीब देश जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित हैं।

समाधान की ओर कदम

इस संकट से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग और व्यक्तिगत जिम्मेदारी दोनों ज़रूरी हैं। कुछ महत्वपूर्ण कदम इस प्रकार हैं:

1. नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग

सौर, पवन, जलविद्युत और बायोगैस जैसे वैकल्पिक और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना होगा। भारत में 'सोलर मिशन' और 'हर घर ग्रीन एनर्जी' जैसी योजनाएं सराहनीय प्रयास हैं।

2. वन संरक्षण और वृक्षारोपण

पेड़-पौधे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, इसलिए वनों की कटाई रोकनी होगी और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना होगा।

3. कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण

कारखानों, गाड़ियों और कोयला संयंत्रों से निकलने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कठोर क़ानून बनाने और उन्हें सख़्ती से लागू करने की ज़रूरत है।

4. जन-जागरूकता

स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और मीडिया के ज़रिए लोगों को इस संकट के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। जल और बिजली की बर्बादी रोकना, सिंगल यूज़ प्लास्टिक से बचना, साइकल और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हो सकते हैं।

5. अंतरराष्ट्रीय सहयोग

संयुक्त राष्ट्र के "पेरिस जलवायु समझौते" जैसे वैश्विक समझौतों को गंभीरता से लागू करना होगा। अमीर देशों को गरीब देशों को तकनीकी और वित्तीय मदद देनी चाहिए ताकि वे भी पर्यावरण संरक्षण के उपाय कर सकें।

नई ऊंचाई पर भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध

फ्रांसेस एडमसन। मेरी भारत यात्रा के लिए यह अत्यंत ही महत्वपूर्ण समय है। ऑस्ट्रेलिया और भारत के रिश्ते आज नई बुलंदियों की ओर बढ़ रहे हैं। हमारे रिश्ते सिर्फ व्यापार और निवेश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे हमारे बीच उस गहरे जुड़ाव को भी रेखांकित करते हैं, जो दोनों देशों के लोगों के बीच वर्षों से कायम हैं। मेरा अनुभव है कि दो देशों के बीच रिश्तों के लिए वक्त, धैर्य और एक-दूसरे को समझने की इच्छा भी चाहिए होती है। हमें यह भी देखना होता है कि मौजूदा परिस्थितियां किस तरह हमारे सोचने के तरीके और प्राथमिकताओं को प्रभावित कर सकती हैं। पिछले कुछ वर्षों में ऑस्ट्रेलिया और विशेष रूप से दक्षिण ऑस्ट्रेलिया राज्य सरकार ने भारत के साथ रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं।

गत वर्ष भारत में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया सरकार के दो प्रतिनिधियों की नियुक्ति इसका प्रमाण है कि भारत की हमारे लिए कितनी ज्यादा अहमियत है। इस वर्ष के आरंभ में हमारे व्यापार और निवेश मंत्री जो स्जाकस और (प्रीमियर) पीटर मालिनौस्कस की भारत यात्रा इसका उदाहरण है। हम भारत के साथ मिलकर ऐसे कदम उठाना चाहते हैं, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद हों। शिक्षा में साझेदारी, हरित अर्थव्यवस्था में निवेश, पानी के बेहतर प्रबंधन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान या फिर हवाई, कृषि-खाद्य और पर्यटन की बात हो, ऑस्ट्रेलिया और खासकर दक्षिण ऑस्ट्रेलिया प्रांत को न सिर्फ भारत, बल्कि पूरा दक्षिण एशिया भरोसेमंद साझेदार मान सकता है।

दीर्घकालिक निवेश के लिए भी दक्षिण ऑस्ट्रेलिया एक विश्वसनीय और लाभकारी साझेदार है। हम अपने यहां शांति और स्थिरता को बनाए रखने के साथ गर्म होती जलवायु की वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए हरित ऊर्जा, निर्माण और कृषि व्यवसाय के क्षेत्र में नए समाधानों की तलाश में जुटे हैं। हमारे यहां भारतीय मूल के लोग बड़ी संख्या में हैं, जो हमारे समाज की विविधता को और अधिक बढ़ाते हैं। ये लोग हमारे रिश्तों की मजबूत नींव हैं।

शिक्षा के जरिये भी हमारे रिश्ते और गहरे हो रहे हैं, क्योंकि भारत ऑस्ट्रेलिया के इस हिस्से में विदेशी छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत है। मेरी

हालिया यात्रा का एक लक्ष्य शिक्षा क्षेत्र से भारत के जुड़ाव को और मजबूत बनाना भी है। ऑस्ट्रेलिया और भारत की अर्थव्यवस्थाएं कई मामलों में एक-दूसरे की पूरक हैं, खासकर अंतरिक्ष, सूचना तकनीक, एआइ और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में। ये क्षेत्र न सिर्फ भारतीय युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि दोनों देशों मंस नौकरियों और नए आविष्कारों के दरवाजे भी खोल रहे हैं।

हाल में ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स नई दिल्ली में थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी की पांचवीं सालगिरह मनाई, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारी साझेदारी की नींव है। 2022 के ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते ने दोनों देशों के बीच व्यापार को नई रफ्तार दी है। ऑस्ट्रेलिया और भारत अब इसे व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते में बदलने की ओर बढ़ रहे हैं। दोनों देशों ने महत्वपूर्ण खनिज निवेश साझेदारी से जुड़े करार पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इसके अंतर्गत महत्वपूर्ण खनिज परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिन्हें संयुक्त रूप से विकसित किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया-भारत रणनीतिक अनुसंधान कोष नई और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुसंधान का समर्थन करता है।

हमारी अर्थव्यवस्थाओं की परस्पर पूरकता ऑस्ट्रेलिया और भारत को एक-दूसरे का स्वाभाविक साझेदार बनाती है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत को किए जाने वाले निर्यात का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा प्राकृतिक संसाधन हैं, जो दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। इन दिनों दक्षिण ऑस्ट्रेलिया प्रांत की अर्थव्यवस्था भी परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। हमारे यहां स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष, कृषि और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर आधारित उद्योगों में काफी प्रगति हुई है। आस्ट्रेलियन स्पेस एजेंसी और आस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट आफ मशीन लर्निंग जैसे विश्वस्तरीय संस्थान हमारे यहां हैं।

स्टार्टअप इंडिया 2.0 युवाओं के सपनों की नई उड़ान

-नौकरी ढूंढने से लेकर नौकरी देने तक का सफर—स्टार्टअप इंडिया 2.0 बदल रहा है सोच और समाज।

भारत आज केवल जनसंख्या की दृष्टि से बड़ा देश नहीं है, बल्कि एक ऐसा राष्ट्र बनता जा रहा है जहाँ के युवा नवाचार और उद्यमिता के ज़रिए वैश्विक पहचान बना रहे हैं। जिस तरह से भारत में स्टार्टअप संस्कृति ने पिछले कुछ वर्षों में विस्तार पाया है, वह न सिर्फ़ आर्थिक विकास का संकेत है, बल्कि यह सामाजिक बदलाव और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त कदम भी है।

साल 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई "स्टार्टअप इंडिया" योजना ने लाखों युवाओं को अपने विचारों को व्यवसाय में बदलने की प्रेरणा दी। शुरुआती चरण में स्टार्टअप को टैक्स छूट, आसान पंजीकरण, सरकारी खरीद में प्राथमिकता और निवेश के लिए सहायता जैसी कई सहूलियतें दी गईं। इसके नतीजे आज स्पष्ट हैं—देश में हज़ारों स्टार्टअप्स पंजीकृत हो चुके हैं, जिनमें से अनेक ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और कई यूनिकॉर्न का दर्जा प्राप्त कर चुके हैं।

स्टार्टअप इंडिया 2.0: क्या है नया?

स्टार्टअप इंडिया 2.0 केवल नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि एक सोच में बदलाव है, जो युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में केंद्र में लाता है।

1. टियर-2 और टियर-3 शहरों पर फोकस- अब सिर्फ़ मेट्रो शहर नहीं, बल्कि जयपुर, इंदौर, नागपुर, गुवाहाटी, पटना जैसे शहरों से भी स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे समान आर्थिक अवसर और स्थानीय समस्याओं के लिए लोकल समाधान निकलकर आ रहे हैं।

2. महिला उद्यमिता को बढ़ावा- स्टार्टअप इंडिया 2.0 में महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स के लिए विशेष प्रोत्साहन, फंडिंग और मेंटरशिप प्रोग्राम शुरू किए गए हैं।

3. ग्रीन स्टार्टअप्स और क्लाइमेट फोकस- अब पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों और सस्टेनेबल बिज़नेस मॉडल्स को प्राथमिकता दी जा रही है।

4. डिजिटल इंडिया से समन्वय- AI, ब्लॉकचेन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, फिनटेक, एग्रीटेक आदि क्षेत्रों में स्टार्टअप्स को स्पेशल इंसेंटिव दिए जा रहे हैं।

अब सरकार इस अभियान को एक नए चरण में लेकर आई है जिसे "स्टार्टअप इंडिया 2.0" कहा जा रहा है। यह केवल एक नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि एक मानसिकता का विकास है। इस नई पहल में विशेष रूप से छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है ताकि विकास की रोशनी देश के हर कोने तक पहुंचे। महानगरों तक सीमित स्टार्टअप संस्कृति अब जयपुर, इंदौर, पटना, गुवाहाटी जैसे शहरों तक पहुँच रही है, जहाँ के युवा अब सिर्फ़ नौकरी पाने की दौड़ में नहीं हैं, बल्कि नौकरी देने वाले बन रहे हैं।

महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना भी इस अभियान का अहम हिस्सा है। महिलाओं को फंडिंग, प्रशिक्षण और मेंटरशिप के विशेष अवसर दिए जा रहे हैं ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और सामाजिक सीमाओं से बाहर निकलकर नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। वहीं पर्यावरण संरक्षण और हरित अर्थव्यवस्था की दिशा में भी अब नए स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो स्वच्छ ऊर्जा, कचरा प्रबंधन और सस्टेनेबल उत्पादों पर काम कर रहे हैं।

डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में भारत की तेज़ी से बढ़ती क्षमता ने स्टार्टअप्स के लिए एक नई दुनिया खोल दी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, ड्रोन, फिनटेक, हेल्थटेक और एजुकेशन टेक जैसे क्षेत्रों में भारतीय स्टार्टअप्स दुनिया भर में अपना लोहा मनवा रहे हैं। इन तकनीकों की पहँच अब गांवों और कस्बों तक भी हो रही है, जिससे स्थानीय समस्याओं के समाधान भी लोकल स्तर पर विकसित किए जा रहे हैं।

भारत के युवाओं के लिए यह समय अभूतपूर्व अवसरों से भरा है। पहले जहां डिग्री के बाद नौकरी ढूंढना ही एकमात्र विकल्प माना जाता था, वहीं अब युवा अपनी कल्पना और मेहनत के बल पर स्वयं का व्यवसाय खड़ा करने में विश्वास रखते हैं। कोई युवा डॉक्टर ग्रामीण इलाक़ों के लिए टेलीमेडिसिन सेवा शुरू कर रहा है, तो कोई इंजीनियर शिक्षा को गांवों तक पहुंचाने वाला मोबाइल ऐप बना रहा है। ये सिर्फ़ उद्यम नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति की शुरुआत है।

सरकारी प्रयास और सहयोगी योजनाएं

सरकार की तरफ़ से स्टार्टअप्स को मजबूती देने के लिए कई योजनाएँ चलाई जा रही हैं। स्टार्टअप्स के लिए अलग से फंड की व्यवस्था, बीज निधि योजना, स्किल इंडिया कार्यक्रम और अटल नवाचार मिशन जैसे प्रयासों ने नवाचार को बढ़ावा दिया है। राज्यों में स्टार्टअप हब बनाए जा रहे हैं ताकि स्थानीय स्तर पर मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध हो सकें।

हालाँकि इन सब प्रयासों के बावजूद कुछ चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में स्टार्टअप शुरू करने वालों को फंडिंग तक पहुँच आसान नहीं होती। कई बार सरकारी प्रक्रियाएँ धीमी पड़ जाती हैं, जिससे स्टार्टअप के शुरुआती चरण में समस्याएँ आती हैं। इसके अलावा स्थायित्व की भी चुनौती है, क्योंकि अधिकांश स्टार्टअप्स दो-तीन साल में बंद हो जाते हैं, जिससे निवेशकों का भरोसा डगमगाने लगता है।

इन चुनौतियों को पार करने के लिए निजी क्षेत्र, सरकार और समाज को मिलकर काम करना होगा। निवेशकों को छोटे शहरों तक पहुँचने के लिए प्रोत्साहित करना होगा, स्कूल स्तर से ही बच्चों में उद्यमशीलता का बीज बोना होगा और स्टार्टअप्स को तकनीकी एवं कानूनी सहायता उपलब्ध करानी होगी। साथ ही यह भी ज़रूरी है कि नई पीढ़ी एक नैतिक व्यापारिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़े, जिसमें लाभ के साथ-साथ सामाजिक ज़िम्मेदारी का भाव भी हो।

स्टार्टअप इंडिया 2.0 केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं की सोच, सामर्थ्य और सपनों की उड़ान का दूसरा नाम है। यह पहल भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति नहीं बना रही, बल्कि उसे सामाजिक और तकनीकी रूप से भी आत्मनिर्भर बना रही है। जब एक गाँव का युवा अपनी कल्पना और साहस से एक ऐसा समाधान खोजता है जो लाखों लोगों की ज़िंदगी आसान बनाता है, तो वह सिर्फ़ उद्यमी नहीं, बल्कि नए भारत का निर्माणकर्ता होता है।

आज का युवा सिर्फ़ भविष्य की योजनाएँ नहीं बना रहा, वह भविष्य गढ़ भी रहा है। स्टार्टअप इंडिया 2.0 उसी भविष्य की नींव है—जहाँ हर युवा को अपने सपनों को उड़ान देने का अधिकार है, अवसर है और ताक़त भी।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मार्ट में राजस्थान का हो वृहद प्रतिनिधित्व - दिया कुमारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में गुरुवार को जयपुर स्थित पर्यटन भवन में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आरटीडीसी अध्यक्ष राजेश यादव एवं पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियार उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मार्ट्स में राजस्थान पर्यटन का वृहद प्रतिनिधित्व किये जाने की आवश्यकता बताई, जिससे अंतर्राष्ट्रीय ट्रेवल मार्ट में राजस्थान पर्यटन की प्रभावी ब्रांडिंग हो सके और राज्य को इसका गुणात्मक माइलेज मिल सके।

कोटा ट्रेवल मार्ट —

दिया कुमारी ने कहा प्रदेश में जयपुर के साथ ही अन्य शहरों को भी पर्यटन की दृष्टि से आगे बढ़ाने के लिए कार्य किये जाए। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान प्रत्येक जिले में पर्यटन की व्यापक सम्भावनायें हैं। उन्होंने ट्रेवल मार्ट को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि कोटा सहित अन्य शहरों में ट्रेवल मार्ट के आयोजनों से वहां भी देशी—विदेशी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ सकेगी।

बनाये जाएं भव्य वार म्यूजियम —

दिया कुमारी ने राज्य में बजट घोषणा के अनुरूप झुंझुनू जिले में वार म्यूजियम बनाने के साथ ही पश्चिमी राजस्थान में एक और भव्य वार म्यूजियम बनाने की आवश्यकता बताई।

ट्राईबल सर्किट निर्माण में अन्य राज्यों के अच्छे नावाचारों को करें शामिल —

उप मुख्यमंत्री ने राजस्थान में बड़े विजन के साथ प्रोजेक्ट ट्राईबल सर्किट प्रोजेक्ट बनाने का कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि इस हेतु अन्य राज्यों के बेहतर कार्यों का अध्ययन कर अच्छे नावाचारों को शामिल करने के निर्देश दिए।

आमेर आइकॉनिक टूरिस्ट सेंटर —

उप मुख्यमंत्री ने आमेर के विकास कार्य पर चर्चा करते हुए कहा कि आमेर एक आकर्षक हेरिटेज टाउन है। आमेर को आइकॉनिक टूरिस्ट सेंटर के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

गोविन्द देव जी मंदिर परिक्षेत्र में पार्किंग सहित सुविधाओं का हो विकास —

उप मुख्यमंत्री ने इस बैठक में निर्देश दिए कि बजट घोषणा की अनुपालना में गोविन्द देव जी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अपेक्षित आवश्यक सुविधाओं को मंदिर परिक्षेत्र में योजना बनाकर भव्यता से विकास कार्य करवाया जाने के निर्देश दिए। इसके लिए कार्यकारी एजेंसी जेडीए के माध्यम से कार्य किये जाने हैं। पर्यटन विभाग के उच्चाधिकारी मौके की वस्तुस्थिति का अवलोकन करें।

विभिन्न पर्यटन साइट्स पर आयोजित हो भव्य लाईट एन्ड साउंड शो—

दिया कुमारी ने कहा कि जयपुर सहित विभिन्न पर्यटन साइट्स पर लाईट एन्ड साउंड शो के भव्य आयोजन के लिए विशेषग्यों का सहयोग लिया जाए। ए आर एवं वीआर शो को प्रोत्साहित किया जाए।

तीज उत्सव पर महिलाओ के लिए मेले का आयोजन—

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस बार तीज का उत्सव भव्य रूप से मनाया जाए। जिसमें हमारी कला संस्कृति भव्य रूप में निखर कर आये। इस बार छोटी चौपड़ पर बड़ा स्टेज लगाकर तीज माता की बड़े स्तर पर पूजा आरती की जाए। इसी प्रकार पौण्ड्रीक उद्यान में महिलाओं के लिए दो दिवसीयतीज मेला लगाया जाए। जिसमें महिलाओं के द्वारा ही स्टॉल लगाई जाए।

महिलाओं को गाइड कार्य जैसे दिए जाए कौशल प्रशिक्षण—

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गाइड कार्य जैसे कौशल बढ़ाने के प्रशिक्षण करवाये जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि महिलाओं के लिए भी विशेष रूप से गाइड प्रशिक्षण के आयोजन किए जाए।

टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर को दिया जाए भव्य रूप—

दिया कुमारी ने चौड़ा रास्ता में टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर को भव्य रूप दिए जाने के निर्देश दिए। इसमें राज्य की हस्त कला-शिल्प उत्पाद पर्यटकों के लिए उपलब्ध हो। कलाकारों की कला को यहाँ बढ़ावा मिल सके। यहाँ पर्यटक सूचना केन्द्र, रूफटॉप रेस्टोरेंट सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो।

सफाई हो शौचालयों का हो निर्माण—

जयपुर वॉलसिटी में नगर निगम के सहयोग से स्वच्छता को बढ़ावा दिया जाए, प्रतिदिन सफाई सुनिश्चित हो साथ ही शौचालयों का निर्माण करवाया जाए।

डिजिटलीकरण के दौर में बढ़ते साइबर खतरों से निपटने के लिए एक बड़ा कदम

-हर थाने में 'साइबर हेल्प डेस्क' और नए व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर शुरू

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के बीच राजस्थान पुलिस ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। महानिदेशक पुलिस राजस्थान डॉ रविप्रकाश मेहरड़ा के मार्गदर्शन में अब राज्य के प्रत्येक पुलिस थाने में एक विशेष "साइबर हेल्प डेस्क" स्थापित किया गया है। यह पहल साइबर पीड़ितों को तत्काल सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए बनाई गई है।

महानिरीक्षक पुलिस एससीआरबी शरत कविराज ने बताया कि राजस्थान पुलिस ने साइबर डेस्क की स्थापना के अतिरिक्त साइबर अपराध की सूचना देने और त्वरित मदद पाने के लिए दो साइबर क्राइम हेल्पलाइन व्हाट्सएप नंबर - 9256001930 और 9257510100 भी जारी किए गए हैं। अब साइबर धोखाधड़ी या अन्य किसी भी डिजिटल अपराध का शिकार होने पर मदद बस एक कॉल या मैसेज दूर है।

क्या है 'साइबर हेल्प डेस्क' और कैसे मिलेगा आपको सीधा लाभ

पुलिस अधीक्षक साइबर क्राइम शान्तनु कुमार सिंह ने बताया कि ये 'साइबर हेल्प डेस्क' सिर्फ नाम के लिए नहीं हैं बल्कि ये कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाएंगे जो सीधे आम जनता को फायदा पहुंचाएंगी:

आपकी शिकायत पर तत्काल सुनवाई:

साइबर वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल मीडिया से संबंधित अपराध या किसी भी साइबर समस्या पर आपकी शिकायत सुनी जाएगी और तुरंत कार्रवाई होगी।

धोखाधड़ी में फंसे पैसे वापस पाने में मदद :

अगर आप वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं, तो हेल्प डेस्क आपको साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल www.cybercrime.gov.in पर तुरंत शिकायत दर्ज करने में मदद करेगा। वे सुनिश्चित करेंगे कि आपके क्रेडिट/डेबिट कार्ड नंबर, खाता संख्या, लेनदेन आईडी और अन्य सभी महत्वपूर्ण जानकारी सही-सही दर्ज हो ताकि आपके पैसे वापस आने की संभावना बढ़ सके।

संदिग्ध नंबरों को ब्लॉक करना:

वित्तीय साइबर अपराधों में इस्तेमाल होने वाले किसी भी संदिग्ध मोबाइल नंबर या IMEI नंबर को साइबर पुलिस पोर्टल (www.cyberpolice.nic.in) के जरिए ब्लॉक करवाने में आपकी मदद की जाएगी।

गुम हुए मोबाइल की वापसी में सहायता:

मोबाइल फोन गुम होने पर, हेल्प डेस्क आपको राजस्थान पुलिस वेबसाइट (police.rajasthan.gov.in) पर ऑनलाइन या ऑफलाइन रिपोर्ट दर्ज करने और फिर CEIR पोर्टल (ceir.gov.in) पर डिवाइस को ब्लॉक व रिपोर्ट करने में पूरा सहयोग देगा।

नेशनल हेल्पलाइन से जुड़े लाभ:

नेशनल हेल्पलाइन नंबर 1930 के माध्यम से फ्रीज की गई धनराशि को आपके बैंक खाते में वापस दिलाने की प्रक्रिया में 'साइबर हेल्प डेस्क' आपकी पूरी सहायता करेगा। यह सब भारत सरकार के दिशानिर्देशों और न्यायालय निर्णयों के अनुसार होगा।

फर्जी सोशल मीडिया खातों पर लगाम:

फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) जैसे किसी भी फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट की रिपोर्ट करने या उन्हें बंद करवाने की कार्रवाई में आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

एक सुरक्षित डिजिटल भविष्य की ओर

यह पहल राजस्थान पुलिस की नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अब आप अपनी डिजिटल दुनिया में अधिक सुरक्षित महसूस कर सकते हैं, क्योंकि आपकी सुरक्षा के लिए एक समर्पित टीम और आसान संपर्क माध्यम उपलब्ध हैं।

यदि आप कभी साइबर अपराध का शिकार होते हैं तो रिपोर्ट करें:

साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर: 1930

साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल: https://cybercrime.gov.in

राजस्थान पुलिस की नई साइबर अपराध हेल्पलाइन / व्हाट्सएप नंबर: 9256001930 और 9257510100

आपका निकटतम पुलिस स्टेशन / साइबर पुलिस स्टेशन

मजन के परिवेदनाओं का हो रहा त्वरित निस्तारण

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संभल शिविर बना रहता का जरिया

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के तहत मंगलवार को ग्राम पंचायत सुल्तानिया में आयोजित शिविर में ग्रामवासी गणेश नारायण शर्मा व अन्य ने पेयजल नल कनेक्शन हेतु उपखंड अधिकारी फागी राकेश कुमार के समक्ष परिवार प्रस्तुत किया।

परिवाद के तत्काल निस्तारण हेतु उपखंड अधिकारी ने सहायक अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खंड फागी सुरेश कुमार मीणा को नियमन अनुसार नल कनेक्शन करने के निर्देश दिए।

पूर्व में आपसी विवाद के चलते नल कनेक्शन नहीं हो पा रहे थे उपखंड अधिकारी की समझाइए इस पर ग्राम वासियों ने आपसी मनमुटाव को दूर कर नल कनेक्शन जारी करने हेतु सहमति प्रदान की जिस पर उपखंड अधिकारी ने अपने स्तर से 100 मीटर पाइप मंगवाकर 10 घरों में नल कलेक्शन करवा कर जैसे ही पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से प्रारंभ की वैसे ही 80 ग्रामीणों के चेहरों पर मुस्कान छा गई। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा प्रारंभ करने पर राज्य के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

20 साल पुराने पुश्तैनी मकान का मिला पट्टा तो छलके आंसू

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत 26 जून 2025 को ग्राम पंचायत पचाला में आयोजित शिविर में परिवादी गणेश सेन निवासी ग्राम शंकरपुर ने विकास अधिकारी फागी चरण सिंह चौधरी के समक्ष 20 साल से उसके पुश्तैनी मकान का मालिक आना हक नहीं मिलने का परिवार दिया। विकास अधिकारी ने मौके पर ही नियमानुसार पट्टा एवं स्वामित्व पत्र जारी कर परिवादी को तत्काल राहत प्रदान करी तो उसकी आंखों से खुशी के आंसू छलक आए। परिवादी और उसका परिवार राज्य सरकार और जिला प्रशासन का कोटि-कोटि आभार व्यक्त करते नहीं थक रहा है।

राज्य मंत्री देवासी ने सिरोही के जोयला में किया अन्त्योदय सम्बल शिविर का अवलोकन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने गुरूवार को सिरोही जिले में शिवगंज के जोयला में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के तहत आयोजित शिविर का अवलोकन किया।

राज्य मंत्री देवासी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अंतिम व्यक्ति तक सभी योजनाओं का लाभ पहुंचाने एवं उनकी समस्याओं का निस्तारण करने के लिए इन शिविरों का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में 16 विभागों के कुल 63 कार्य करवाए जा रहे हैं जिसमें आपसी सहमति से बंटवारे, पत्थर गढी, सीमाज्ञान, स्वामित्व पट्टे बनाना एवं वितरण, नर्सरियों से पौधा वितरण, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण सहित विभिन्न विभागों यथा राजस्व, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, डिस्कॉम, पीएचईडी, जल संसाधन, कृषि एवं उद्यान, रसद, वन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पशुपालन, शिक्षा व नगरीय निकाय के कार्य आदि सम्मिलित हैं। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों कर्मचारियों को भी प्रत्येक पात्र को लाभान्वित करने की बात कही।

इस दौरान राज्यमंत्री देवासी व सांसद लुंबाराम चौधरी सहित अतिथियों ने आवेदकों को विभिन्न प्रमाण पत्र, पट्टे, पेंशन की स्वीकृति आदि वितरित की। शिविर में एक महिला के 2 साल से रूकी हुई पेंशन का पुनः सत्यापन कर हाथों-हाथ प्रारम्भ करवाई गई, जिस पर महिला ने राज्य मंत्री देवासी सहित जनप्रतिनिधियों का आभार जताते हुए शिविर की सराहना की।

हथियादेह सिंचाई परियोजना: डूब क्षेत्र के 223 मकानों के लिए मिलेगा 6.89 करोड़ रुपये का मुआवजा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। बारां जिले में हथियादेह मध्यम सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र में आने वाले 223 मकानों के प्रभावितों को विशेष अनुग्रह राशि दी जाएगी। ग्राम करवरीकलां, करवरीखुर्द और मजरा हथियादेह के प्रभावितों के लिए वित्त विभाग ने 6.89 करोड़ रुपये मुआवजे राशि की मंजूरी दी है।

यह स्वीकृति जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत की संवेदनशील पहल और त्वरित निर्देशों के परिणामस्वरूप संभव हो पाई है।

पहले इन ग्रामों के 223 मकान राजकीय भूमि (चारागाह, सिवायचक एवं वन भूमि) में बसे होने के कारण पहले मुआवजा सूची में शामिल नहीं किए गए थे। इस संबंध में ग्रामीणों ने जल संसाधन मंत्री से भेंट कर अपनी समस्या रखी थी। रावत ने इसे गंभीरता से लेते हुए विभागीय प्रस्ताव को राज्य सरकार तक पहुंचाया। इसी के बाद वित्त विभाग से प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

- राहत से मिलेगा संबल

स्वीकृति जारी होने के बाद शीघ्र ही प्रभावित परिवारों को राशि वितरित की जाएगी। इससे मुआवजे का इंतजार कर रहे ग्रामीणों को इस राहत से संबल मिलेगा। साथ ही, परियोजना के निर्माण कार्यों को भी गति मिलेगी। इस निर्णय पर ग्रामीणों ने जल संसाधन मंत्री का आभार व्यक्त किया है।

- 'मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जल संरचनाओं के विकास कार्यों के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को त्वरित न्याय दिलाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मानवीय दृष्टिकोण से लिए निर्णय पर विशेष अनुग्रह राशि की स्वीकृति मिली है, जिससे प्रभावितों को संबल मिलेगा।'

शिक्षा मंत्री ने ग्राम पंचायतों में किया स्वच्छता और मनरेगा कार्यों का निरीक्षण

-श्रीगंगानगर जिला के साहिबसिंहवाला में अंतोदय संबल पखवाड़े के तहत कैंप का किया अवलोकन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को जिले की सूरतगढ़ और श्रीगंगानगर पंचायत समिति की विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्वच्छता और मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया। साहिबसिंहवाला ग्राम पंचायत में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंतोदय संबल पखवाड़े के तहत आयोजित शिविर का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

इससे पूर्व सूरतगढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत करडू और देईदासपुरा में स्वच्छता और मनरेगा कार्यों सहित अन्य गतिविधियों का निरीक्षण कर शिक्षा मंत्री ने पर्याप्त सफाई नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की। ग्रामवासियों से सफाई व्यवस्था की जानकारी लेकर उन्होंने कहा कि निरंतर निरीक्षण और निर्देश देने के बाद भी अधिकारी गांव में प्रतिदिन सफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर नहीं हैं। उन्होंने पंचायत समिति के विकास अधिकारी को नियमित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई करवाने के निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य में लापरवाही नहीं बरती जाए।

इसके पश्चात गंगानगर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत 3 वाई, कालियां और 17 ज़ैड में भी स्वच्छता एवं मनरेगा कार्यों का निरीक्षण कर ग्रामीणों तथा सरपंच से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। 3 वाई, कालियां में व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए ग्राम पंचायत 17 ज़ैड में पानी निकासी के लिए जिला परिषद सीईओ को समुचित व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात शिक्षा मंत्री ने ग्राम पंचायत साहिबसिंहवाला में अंतोदय संबल पखवाड़े के तहत आयोजित शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ग्रामीणों द्वारा पेंशन, पालनहार, सिंचाई पानी, पेयजल आपूर्ति और गंदे पानी की समस्या बताने पर शिक्षा मंत्री द्वारा संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य है कि प्रत्येक व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। पखवाड़े का उद्देश्य आमजन तक सरकारी सेवाओं को पहुंचाना, समस्याओं का स्थल पर ही समाधान करना और ग्रामीण जीवन में सहूलियत बढ़ाना है।

बड़े ही खुश नसीब होते हैं वह लोग जो खुदा के घर का दीदार करके आते हैं - पठान

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नदीम खान पठान ने कहा कि बड़े ही खुशनसीब है वह लोग जो खुदा के घर का दीदार करके आते हैं पठान ने यह शब्द हाजियों का स्वागत करने के बाद में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहे पठान ने कहा कि सभी मुसलमानों का यह अरमान होता है कि वह अपने जीवन में कम से कम एक बार हज पर जरूर जाएं इसके लिए वह अपने खून पसीने की कमाई में से कुछ रुपए जोड़ते रहते हैं जब रुपए हज पर जाने के लायक हो जाते हैं तब वह दुआएं करते हैं और हज के लिए फॉर्म भरते रहते हैं

पठान ने कहा कि हाजियों को हज के दौरान लाखों करोड़ों नेकिया मिलती रहती है जिससे उनके सभी गुनाह माफ हो जाते हैं और वह ऐसे हो जाते है जैसे उसने अभी-अभी जन्म लिया हो।

इस अवसर पर फारूक खान आफ़रीदी, नफीस खान आफ़रीदी आदि हज करके आए है इससे परिवार में ख़ुशी का माहौल है।

जो लोग हाजियों का स्वागत करने के लिए आ रहे है उन लोगों को हाजियों के द्वारा तस्वीह मिस्वाक टोपी खिजुर जा नमाज आदि का तोहफ़ा (गिफ्ट) दिया जा रहा है।

हाजियों ने बताया कि हज करने के बाद में हमको बहुत सुकून मिला है हमारी तबियत खुश हो गई है दिल खुशियों में झूल गया है।

हाजियों ने बताया कि वहां पर इतना सुकून मिलता है कि वापस आने का मन ही नहीं करता है।

हाजियों ने यह भी बताया कि वहां की अजान नमाज काबा का वो दिलकश नजारा आंखों के सामने अभी भी घूमता रहता है हाजियों की तन मन से बहुत सेवा की जाती है वहां पर अपनापन बहुत है।

सड़क हादसों को रोकने के लिए हर संभव प्रयास हों सुनिश्चित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में जिला यातायात प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन हुआ। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लागाने के लिए रोड सेफ्टी प्रोटोकॉल की पालना सुनिश्चित करने के साथ-साथ जयपुर में ट्रेफिक जाम को लेकर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये हैं।

जिला कलक्टर ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अधिकारियों को सख्त कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने जयपुर जिले के शहरी, ग्रामीण क्षेत्र के राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर भारत सरकार के नये नोटिफिकेशन के अनुसार स्पीड लिमिट के साइनेज बोर्ड लगाने, राजमार्गों के प्रोटोकॉल के अनुसार चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के निवारण करने एवं जिले में यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने और राजमार्गों पर अनाधिकृत पार्किंग सहित रिफलेक्टिव टेप इत्यादि के उल्लघनों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही जयपुर विकास प्राधिकरण और राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम के अधिकारियों को पिछली बैठक के बिन्दओं की अनुपालना रिपोर्ट पेश करने के लिए निर्देशित किया गया है।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को राजमार्गों पर मिडियन कट्स को बंद करने एवं फ्लाइओवर का गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए अधिकारियों को प्रभावी कार्ययोजना बनाने के के निर्देश दिये हैं। उन्होंने दुर्घटना के संभावित स्थानों पर व्यापक इंतजाम सुनिश्चित करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये पुराने साइनेज को हटाकर नये साइनेज लगाने के निर्देश दिये। बैठक में ज्वलनशील पदार्थों को ले जाने वाले वाहनों की जीपीएस ट्रैकिंग करने, रूट उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने, टोल नाके पर शराब या नशा कर के चलाने वाले वाहन चालकों को पकड़ने तथा बेसहारा पशुओं को रेडियम पट्टी लगाने सहित सड़क सुरक्षा के तमाम उपाय करने आदि पर भी चर्चा की गई।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हैरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

ऊर्जा मंत्री ने करौली जिले में अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

-राज्य सरकार विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करने का काम कर रही है

करौली, (रॉयल पत्रिका)। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने बुधवार को करौली में विद्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बिजली व्यवस्था को सुद्दढ़ करने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर संवेदनशील है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। साथ ही, संबंधित विद्त विभाग के अधिकारी पूर्ण संवेदनशीलता, सक्रियता के साथ कृषि कनेक्शन जारी करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विद्त तंत्र को सुद्दढ करने का काम कर रही है। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने आमजन को निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति पर गंभीरता दिखाते हुए, अधिकारियों को सख्त हिदायत दी। वहीं जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था सुद्दढ़ करने के निर्देश दिए। साथ ही पेयजल आपूर्ति के समय विद्त सप्लाई बाधित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन जीएसएस के कार्यों में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। निविदा प्रक्रिया में किसी प्रकार की रूकावट नहीं होनी चाहिए एवं विद्त से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने बैठक में विभागीय

अधिकारियों को बिजली आपूर्ति के सिस्टम को मजबूत करने और नई परियोजनाओं को गति देने पर जोर दिया। उन्होंने जले हुए ट्रांसफार्मर को समय पर बदलने और विद्त कनेक्शन समयबद्धता के साथ करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आरडीएसएस, कुसुम योजना, पीएम सूर्य घर योजना तथा अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विद्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल अन्त्योदय संबल पखवाड़े के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में विद्त संबंधी समस्याओं का निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। अवैध ट्रांसफार्मर रखने वालों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों द्वारा विद्त कनेक्शन के लिए डिमांड नोटिस राशि जमा करा दी हैं, उनको शीघ्र विद्त कनेक्शन दिए जाएं एवं डिमांड नोटिस में जमा कराई गई राशि में अगर किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर रिवाइज्ड डिमांड नोटिस जारी किए जाए। अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत तकनीकी हेल्पर को दूसरे स्थान पर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देश एवं प्रदेश जनहित में सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए कार्य करें। बैठक में जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना ने विद्त विभाग के अधिकारियों की समय-समय पर बैठक लेकर उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर निर्बाध विद्त आपूर्ति के लिए किए गए प्रयासों एवं बैठक में दिये गये निर्देशों की पालना करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, सपोटरा विधायक हंसराज मीणा द्वारा कुछ मांगे एवं समस्याओं से अवगत करवाया गया जिन्हे शीघ्र ही पूरा एवं समाधान करने का आश्वासन दिया।

लोकतंत्र सेनानियों का नाम इतिहास के पन्नों पर हमेशा दर्ज रहेगा

-सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री

टोंक,(रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि हमारे लोकतंत्र सेनानियों की बदौलत ही आज संविधान व लोकतंत्र जीवित है। इनके संघर्ष और साहस के आगे 50 वर्ष पूर्व तत्कालीन सरकार को झुकना पड़ा था। इस दिवस को मनाने के पीछे उद्देश्य यही है कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को यह पता हो कि लोकतंत्र को बचाने के लिए लोकतंत्र सेनानियों ने कितनी यातनाएं झेली। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री बुधवार को टोंक नगर परिषद सभागार में देश में लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित संविधान हत्या दिवस—2025 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान भी किया। अविनाश गहलोत ने कहा कि हमारे लोकतंत्र को जब-जब कमजोर करने की कोशिश की गई तब-तब देश के लोगों ने एकजुट हो यह बताया है कि लोकतंत्र की जड़े कितनी मजबूत है। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र के सामने कई चुनौतियां खड़ी थी। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर

दिया गया था। लोगों की आजादी पर प्रतिबंध लगा दिए गए थे। इसके बावजूद 21 महीनों के संघर्ष के बाद हमारा लोकतंत्र पुर्नजीवीत हुआ। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों का नाम इतिहास के पन्नों पर हमेशा के लिए दर्ज हो गया है और आज हमें इन्हे सम्मानित करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है। गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सभी वर्गों के कल्याण के लिए सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका कल्याण की भावना से कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों का भी निष्ठा पूर्वक निर्वहन करें।

लोकतंत्र सेनानियों को किया सम्मानित—
कैबिनेट मंत्री गहलोत ने कार्यक्रम में मौजूद लोकतंत्र सेनानियों का माला पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस अवसर पर आपातकाल के दौरान लोकतंत्र सेनानियों के त्याग, समर्पण और साहस पर आधारित लघु फिल्म को दिखाया गया।

इस दौरान देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, निवाई पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल समेत अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं लोकतंत्र सेनानी मौजूद रहे।

चोपदार को कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष बनने पर रंगरेज ने दी बधाई

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) के प्रदेश अध्यक्ष पद पर मदरसा बोर्ड चेयरमैन एम. डी. चोपदार को नियुक्ति किया गया। कांग्रेस नेता एवं पूर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज ने एम. डी. चोपदार की नियुक्ति पर कांग्रेसजनों मिठाई खिलाकर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट, प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का आभार जताते हुए मुबारकबाद दी।

मक्का मदीना की हज यात्रा कर लौटे हाजियों का किया गया भव्य स्वागत

पाली/सोजत, (रॉयल पत्रिका)। पवित्र हज यात्रा से लौटने वाले हाजियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसी क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी व वरिष्ठ साहित्यकार हाजी फारूक आफरीदी उनके पुत्र हाजी नफीस आफरीदी एवं पुत्रवधू के हज से लौटने पर शबनम साहित्य समिति द्वारा बजाज नगर, जयपुर स्थित उनके निवास पर सम्मान समारोह आयोजित कर बहुमान किया गया।
समिति अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अब्दुल समद राही, अयान खान, सीमा मनानी और मोहम्मद यासीन रायल सहित कई गणमान्यजनों ने शॉल ओढ़ाकर, फूलमालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर हाजियों का भव्य स्वागत किया।
हाजियों के मक्का-मदीना के मुकद्दस सफर से सकुशल लौटने की खुशी में बड़ी संख्या में उनके रिश्तेदार, मित्र और चाहने वाले उपस्थित रहे। इस अवसर पर हज-ए-शुकराना की दावत का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने मिलकर हाजियों की सलामती और कुबूलियत की दुआएं की।

मौलाना आज़ाद विवि के फार्मेसी के शमी अली ने राष्ट्रीय स्तर की 3 परीक्षाएं की क्वालीफाईड

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आजाद विश्वविद्यालय के डीन ऐकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि फार्मेसी संकाय के आठवें सेमेस्टर के नियमित छात्र शमी अली ने राष्ट्रीय स्तर की 3 परीक्षाओं को क्वालीफाईड कर लिया है। उनके इस कार्य से विश्वविद्यालय गौरव का अनुभव कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित जी.पेट परीक्षा में कुल 47142 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिसमें शमी अली ने 603 वी रैंक हासिल की। इसी प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एन.आई.पी.ई.आर. परीक्षा में 6500 विद्यार्थियों में से शमी अली ने 1381वी रेंक हासिल की तथा ऑल इण्डिया सी.यू.ई.टी. पी.जी. की परीक्षा में भी शमी अली ने राष्ट्रीय स्तर पर क्वालीफाई किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने कहा कि शमी की इस उपलब्धि में उसकी मेहनत के साथ-साथ विश्वविद्यालय की शिक्षण की भी भूमिका महत्त्वपूर्ण है। यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट डॉ. जमील काजमी ने कहा कि शमी अली की इस

उपलब्धि से हमारे विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलेगा एवं राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे परिणाम भी प्राप्त होंगे। हम सब शमी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है। साथ ही फार्मेसी संकाय के सभी शिक्षकों को भी बधाई देते है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहुंचे जोधपुर

-अंत्योदय शिविर और लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह में होंगे शामिल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज एक दिवसीय प्रवास पर जोधपुर पहुंचे हैं। यहां एयरपोर्ट पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल की अगुवाई में स्थानीय भाजपा नेताओं व जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री यहां से सर्किट हाउस पहुंचने के कुछ देर बाद जोधपुर-नागौर रोड पर स्थित आईआईटी के 11वें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेंगे। तत्पश्चात वे पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविर का निरीक्षण करेंगे और दोपहर में मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित होने वाले संभाग स्तरीय लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह शामिल होंगे। भाजपा संभाग मीडिया प्रभारी जगदीश धाणदिया ने बताया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस व आपातकाल के काले अध्याय का 50वां वर्ष के अवसर पर भाजपा जोधपुर शहर जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पालीवाल के नेतृत्व में मारवाड़ इंटरनेशनल ऑडिटोरियम, पॉलीटेक्नीक कॉलेज परिसर में जोधपुर संभाग के लोकतन्त्र सैनानियों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, अति विशिष्ठ अतिथि के रूप में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद व लोकतंत्र सैनानी संघ के राष्ट्रीय महामंत्री राजेन्द्र गहलोत करेंगें एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, के.के. विश्नोई, विधायक देवेन्द्र जोशी,

अतुल भंसाली एवं जेडीए के पूर्व चैयरमेन डा. महेन्द्र सिंह राठौड़ सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, लोकतंत्र सैनानी एवं पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। वे यहां तीन प्रमुख कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इनमें IIT जोधपुर का 11वां दीक्षांत समारोह, पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविर का निरीक्षण और संभाग स्तरीय लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह शामिल हैं। मुख्यमंत्री के तय कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 12 बजे तक करवड़ स्थित IIT जोधपुर के 11वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। दोपहर 12:30 से 1:30 बजे तक ग्राम दईजर में पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत आयोजित शिविर का निरीक्षण करेंगे। दोपहर 2:10 बजे वे मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर पहुंचेंगे, जहां 2:30 से 3:30 बजे तक आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर संभाग स्तरीय लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह (संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम) में भाग लेंगे। अपराह्न 3:40 बजे वे जोधपुर एयरपोर्ट से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। संभाग स्तरीय लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर, पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में आयोजित संभाग स्तरीय लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि रहेंगे। जिला प्रशासन ने कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी रहेंगे मौजूद संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी गुरुवार को जोधपुर प्रवास पर रहेंगे। पटेल प्रातः 9:30 बजे IIT जोधपुर के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे। दोपहर 12:25 बजे ग्राम दईजर में अंत्योदय पखवाड़ा शिविर का अवलोकन करेंगे और दोपहर 2:30 बजे मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद वे दोपहर 3:40 बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे और सायं 4:20 बजे सर्किट हाउस लौटकर रात्रि विश्राम करेंगे।

पंचायतीराज रायपुर ब्लॉक की कार्यकारिणी घोषित

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सी बी यादव के निर्देशानुसार प्रदेश महामंत्री व जोधपुर संभाग प्रभारी बलदेव राम बेनीवाल की स्वीकृति पर पंचायती राज के पाली जिला अध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल ने पाली जिले के रायपुर ब्लॉक कार्यकारणी की घोषणा की जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष आत्मा प्रकाश चौहान देवली कला के नेतृत्व में उपाध्यक्ष पद पर धर्माराम प्रजापत देवली नेमाराम देवासी देवली शोभाराम मेघवाल रामपुरा कला, रहमान खां तेली सिंगला महासचिव पद पर मुरारी चौहान निमबेड कला, गनी खां रामपुरा, सुरेश नवल कुशालपुरा, कैलाश रैगर पिपलिया, वीरेंद्र सिंह रावणा, राजपूत बासनी दादवतान सचिव पद पर शिवराम मेघवाल सिंगला, मुन्ना लाल बावरी, नोख नेमाराम हरिजन झूठा, नागेश्वर नोगिया झूठा, चंद्रप्रकाश दमामी देवली संगठन सचिव भल्लाराम मेघवाल सिंगला, अब्दुल सत्तार तेली झूठा, सुरेन्द्र गौड़ देवली, चिराग शाह साईं देवली को नियुक्ति प्रदान की गई
रायपुर ब्लॉक की कार्यकारिणी घोषित होने पर समन्वयक राजेंद्र लहर ब्लॉक अध्यक्ष मोहन लाल सीरवी सेनचा, गणेश राम मादा वत, राम सिंह पवार गौतम सीरवी मांगू शाह साईं आदि अनेक कांग्रेसजनों ने खुशी जाहिर की और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा प्रदेश अध्यक्ष सी बी

यादव जोधपुर संभाग प्रभारी बलदेव राम बेनीवाल पाली जिला प्रभारी श्रीमती कीर्ति कच्छवाहा पाली जिला अध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल का आभार प्रकट किया।

चित्तौड़गढ़ में संविधान हत्या दिवस पर गृह राज्य मंत्री ने किया लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। देश में लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित संविधान हत्या दिवस—2025 चित्तौड़गढ़ में बुधवार को गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बेढ़म ने इस अवसर पर इमरजेंसी में जेल जाने एवं इमरजेंसी के साक्षी रहे 19 लोकतंत्र सेनानियों को शॉल एवं ऊपरना ओढ़ा कर सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया। गृह राज्य मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि आज ही के दिन 50 वर्ष पूर्व 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगाया गया था। इस दिन को याद करने का उद्देश्य तत्कालीन सरकार का संविधान विरोधी कार्य करते हुए असंवैधानिक रूप से लगाए गए आपातकाल के बारे में युवा और भावी पीढ़ी को बताना है। उन्होंने कहा कि संविधान में यह प्रावधान है कि देश में विपरीत परिस्थितियों एवं आंतरिक खतरा होने पर ही आपातकाल लगाया जाता है लेकिन उसे समय ऐसा नहीं था। उन्होंने बताया कि उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने व्यक्तिगत कारणों से आपातकाल लगाया था। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ की धरती अत्याचार के खिलाफ लड़ने वाली धरती रही है और यहां लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान समारोह यादगार रहा रहेगा।
गृह राज्य मंत्री ने इस अवसर पर 19 लोकतंत्र सेनानियों को शॉल ओढ़ा एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। उन्होंने आयोजित भोज में लोकतंत्र सेनानियों को भोजन भी करवाया। समारोह मे जिला कलक्टर आलोक रंजन ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इसके साथ ही आपातकाल के दौरान यातनाएं भुगतने एवं जेल में रहने वाले लोकतंत्र सेनानियों ने अपने अनुभव भी साझा किये।

करौली में जिला स्तरीय लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान समारोह आयोजित

करौली, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि जिले में लोकतंत्र सेनानियों का आपातकाल के दौरान महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उपमुख्यमंत्री बुधवार को सूचना केन्द्र के टाउन हॉल में जिला स्तरीय लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि हम सभी को लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमेशा संघर्ष करते रहना चाहिए प्रदेश व देश में जनहित की विभिन्न योजनाऐं जैसे डिजिटल इंडिया, बेटी बचाओ बेटी पढाओं योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन सहित जनहित की योजनाऐं संचालित की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र सेनानियों द्वारा रखी गयी मांगों को पूर्ण करने का

आश्वासन दिया।
कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि लोकतंत्र को फिर से स्थापित करने में लोकतंत्र सेनानियों के योगदान को याद रखना चाहिए। इस दौरान लोकतंत्र सेनानी कैलाश चंद शर्मा व केसर सिंह नरूका ने आपातकाल के दौरान के अपने अनुभव साझा किये। कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानी कैलाश चंद शर्मा, ऊधो सिंह, सुरेश चंद गुप्ता, केसर सिंह नरूका व कैलाश चंद शर्मा को उपमुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इस दौरान करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, सपोटरा विधायक हंसराज मीणा, हिण्डौन की पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव, टोडाभीम के पूर्व विधायक रमेश चंद मीणा, नगर परिषद करौली की सभापति डॉ राजरानी शर्मा, सहित जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

वय वंदन योजना में पात्र व्यक्तियों का शत प्रतिशत पंजीयन हो – डॉ. मारवाल

-सीएमएचओ ने वडेरावास व गिरादड़ा गांव में किया अंत्योदय संबल शिविरों का निरीक्षण

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले के वडेरवास व गिरादड़ा गांव में गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के तहत शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने आकस्मिक निरीक्षण कर शिविर में चिकित्सा विभाग की ओर से उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने कैंप में वय वंदन योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से या 70 से अधिक आयु वर्ग के सभी पात्र व्यक्तियों का पंजीयन अपने क्षेत्र में हर हाल में सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इस योजना में कोई भी पात्र व्यक्ति ड्यू न रहे। इतना ही नहीं योजना में एनरोल्ड नही होने का कारण भी लिखें। उन्होंने कहा कि यह कार्य आशा के द्वारा 3 दिवस में ही पूर्ण करने के बारे में निर्देश दिए।
उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति जिनकी आयु 70 वर्ष से अधिक है एवं जो पहले से ही आयुष्मान आरोग्य योजना के लाभार्थी है उनका भी वय वंदन कार्ड अन्त्योदय शिविर में बनाया जाएगा। शिविर के दौरान वडेरावास गांव में दानदाता मांगीलाल व गोपाललाल तथा गिरादड़ा गांव में दानदाता ओम प्रकाश द्वारा गांव में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत योजना में टीबी मरीजों को निक्षय किट का भी वितरण किया गया। सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में मंगलवार से पंडित दीनदयाल अंत्योदय सम्बल पखवाड़ा की शुरूआत हुई। इस पखवाड़ा के तहत कार्ययोजना के अनुसार जिले की कई ग्राम पचायत मुख्यालयों पर शिविर लगाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में गुरुवार को भी पाली पंचायत समिति के वडेरावास व गिरादड़ा गांव में पंचायत मुख्यालयों पर पडित दीनदयाल अंत्योदय पखवाड़ा के तहत शिविर आयोजित किए गए। सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि इन शिविरों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी एक छत के नीचे कई प्रकार की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इन शिविरों में ग्राम पंचायत मुख्यालय के सबधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं तथा आशा सहयोगिनी ने सेवाएँ दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगाई गई स्टॉल पर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ-साथ ग्रामीणों की एनसीडी स्क्रीनिंग भी की जा रही है। साथ ही साथ शिविर के दौरान विभाग की ओर से पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरण करना, टीबी मुक्त स्क्रीनिंग करना, सिलिकोसिस पीड़ितों का चिन्हीकरण करने का कार्य भी किया जा रहा है। पाली ब्लॉक की ग्राम पंचायत वडेरावास व गिरादड़ा गांव में आयोजित शिविर का सीएमएचओ के साथ जिला कार्यक्रम अधिकारी भवानीसिंह ने अवलोकन किया। यहां उन्होंने दोनों ग्राम पंचायत के सरपंच व जनप्रतिनिधियों से निक्षय मित्र बनकर टी.बी. रोगियों की सहायता करने की अपील की।

नशा मुक्त भारत अभियान की शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन व महिला अधिकारिता विभाग द्वारा उपनिदेशक भागीरथ चौधरी के निर्देशानुसार शिवाजी नगर स्थित पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन में गुरूवार को नशा मुक्त भारत अभियान की शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में महिला अधिकारिता द्वारा संचालित पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र से केंद्र प्रबंधक प्रियंका व्यास ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान 15 अगस्त 2020 को शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि नशे की लत से कई परिवार उजड रहे है नशे से पीड़ित लोगों में स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं होती है।इस अवसर पर उन्होंने व्यसनों के बारे मे जानकारी दी और बताया कि व्यसन के दो मुख्य प्रकार हैं जैसे ड्रग्स और शराब, व्यावसायिक जैसे जुआ आदि हर साल 26 जून को नशा निषेध दिवस मनाया जाता है नशे की लत से फेफड़े और हृदय रोग स्ट्रोक कैंसर या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी स्थितियां शामिल हो जाती है। नशा व्यक्ति को नरक की तरफ ले जाता है। जिससे उसके आंतरिक शारीरिक स्थितियां कमजोर हो जाती हैं। कार्यक्रम के साथ ही सुपरवाइजर पिंकी मीणा ने नशा मुक्त भारत अभियान की शपथ भी दिलवाई कार्यक्रम में मौजूद रहे।

एसबीआई लाइफ ने 2025 हैक-एआई-थॉन के समापन में भारत के युवा टैलेंट से भविष्य के लिए तैयार एआई समाधान मांगे

भोपाल। भारत के सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा प्रदाताओं में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी राष्टीय नवाचार पहल, हैक-एआई-थॉन 2025 के शानदार समापन के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह मंच बीमा क्षेत्र की वास्तविक चुनौतियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित समाधान विकसित करने के लिए बनाया गया था। हफ्तों की गहन चर्चा और सहयोग के बाद, 16 से अधिक शीर्ष टीमों (50 से ज्यादा प्रतिभागी) ने ग्राहकों के अनुभव, कामकाज की दक्षता और डिजिटल सेवाओं को बेहतर बनाने वाले एआई-आधारित नए विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन का मकसद युवा प्रतिभाओं को मौका देना, मिलकर काम करने की भावना को बढ़ावा देना और डिजिटल बदलाव को तेज करना था। इसमें डेवलपर्स और एआई के शौकीन शामिल थे, जो चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, इंदौर, भोपाल और दिल्ली के नामी संस्थानों से आए थे। उन्होंने भविष्यवाणी विश्लेषण, प्रक्रिया को स्वचालित करने, धोखाधड़ी रोकने और ग्राहक जुड़ाव जैसे क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखाई।

मूविंग मीडिया एंटरटेनमेंट लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। मूविंग मीडिया एंटरटेनमेंट लिमिटेड (कंपनी), जो मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को कैमरा, लेंस और संबंधित उपकरण किराए पर देने की सेवाएं प्रदान करती है, अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम गुरुवार, 26 जून 2025 को खोलने जा रही है। कंपनी इस इश्यू से 43.40 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड पर) जुटाने का लक्ष्य रखती है, और इसके शेयर ह्रस्थ ईमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। यह इश्यू 10 के फेस वैल्यू पर 62,00,000 इक्विटी शेयर तक का है, जिसकी प्राइस बैंड 66 से 70 प्रति शेयर तय की गई है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का उपयोग उन्नत कैमरा सॉल्यूशन्स में निवेश, कुछ ऋण सुविधाओं की अदायगी/पूर्व-भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यह इश्यू मंगलवार, 30 जून 2025 को बंद होगा। इस इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर ग्रेटेक्स कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड है और रजिस्ट्रार मास्शितला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड है। कंपनी के प्रबंध निदेशक, कूलदीप बेशावर नाथ भार्गव ने कहा यह आईपीओ मूविंग मीडिया की यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय है। हमारे संचालन की शुरुआत 2012 में एक प्रॉपर्टाइरशिप फर्म के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य फिल्म, टेलीविजन, विज्ञापन और डिजिटल कंटेंट निर्माण के पेशेवरों की बदलती जरूरतों को पूरा करना था। समय के साथ हमने खुद को एक संपूर्ण कैमरा और लेंस उपकरण समाधान प्रदाता के रूप में विकसित किया है, जो हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर सोर्सिंग से लेकर इंस्टॉलेशन, यूज़र ट्रेनिंग और पोस्ट-इंस्टॉलेशन सपोर्ट तक सेवाएं प्रदान करता है।

आरसीसीपीएल द्वारा क्षय रोगियों के लिए पोषण किट का वितरण

मैहर, एजेंसी। मैहर जिले की कलेक्टर रानी बटाड की पहल पर आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर इकाई ने श्री पी के चौधरी, इकाई प्रमुख, आरसीसीपीएल के नेतृत्व में अमरपाटन के सिविल अस्पताल में क्षय रोग (टीबी) के मरीजों के लिए 155 पोषण किट वितरित किए। यह प्रयास भारत सरकार के राष्टीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) और प्रधानमंत्री क्षय मुक्त भारत अभियान के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाना है। पोषण किट का वितरण टीबी मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार, उपचार के परिणामों को बेहतर बनाने और उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए किया गया। यह कदम विशेष रूप से उन मरीजों के लिए महत्वपूर्ण है जो कुपोषण के कारण उपचार में बाधा का सामना करते हैं। कार्यक्रम का समन्वय डॉ पूजा गुप्ता, जिला क्षय अधिकारी, उनके सहयोगियों और कंपनी के अधिकारियों द्वारा किया गया। पी के चौधरी ने कहा कि क्षय मुक्त मैहर हमारी सामाजिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। पोषण किट का वितरण न केवल मरीजों के लिए उपचार को प्रभावी बनाने में मदद करेगा।

एसीसीए ने अकाउंटेंसी पेशे की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए संशोधित योग्यता का किया अनावरण

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक लेखा निकाय, एसीसीए (एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स) ने लेखा (अकाउंटेंसी) पेशे की उभरती और विस्तारित भूमिका के अनुरूप अपनी प्रमुख स्वर्ण मानक योग्यता में बदलाव करने की घोषणा की है। यह नया स्वरूप दिखाता है कि कैसे अकाउंटेंट अब व्यवसायों को सफल बनाने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं - न केवल मुनाफ़ा कमाकर, बल्कि नैतिकता, स्थिरता, नई तकनीक और आर्थिक बदलावों को संभालने पर ध्यान केंद्रित कर भी। सार्वजनिक क्षेत्र में भी इसी तरह के बदलाव हो रहे हैं। ये बदलाव नियोक्ताओं की उभरती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं, साथ ही इसमें एसीसीए योग्यता की मौजूदा क्षमता पर भी ध्यान दिया गया है। इसके तहत बेहतर पढ़ाई और मूल्यांकन प्रक्रिया की पेशकश की जाएगी, जिसमें एआई-संवर्धित पढाई भी शामिल है। इसे अगली पीढ़ी को गतिशील और लगातार बदलती दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक पेशेवर कौशल और तकनीकी विशेषज्ञता से लैस करने के लिए तैयार किया गया है। यह घोषणा दुनिया भर में मौजूदा एसीसीए सदस्यों, नियोक्ताओं और शिक्षण प्रदाताओं के साथ-साथ युवाओं के साथ व्यापक परामर्श के बाद की गई है। पुनः डिज़ाइन की गई योग्यता 2027 के मध्य से लागू की जाएगी। एसीसीए की मुख्य कार्यकारी हेलेन ब्रांड ने कहा %अकाउंटेंसी को नया स्वरूप दिया जा रहा है। अकाउंटेंट वहनीय व्यवसाय को आगे बढ़ाते हैं, सामाजिक मूल्य के प्रवर्तक और नई प्रौद्योगिकियों को अपनाकर इसे आगे बढ़ाने में सहायक होते हैं। वे लगातार बदलते अवसरों और बदलती चुनौतियों की दुनिया के लिए अपने वित्तीय और नैतिक कौशल को निखार रहे हैं। वे नए व्यवसाय मॉडल और सफलता के बारे में नई सोच के साथ नवोन्मेष करते हैं। वे सभी के लिए मूल्य निर्माण के लिए लोगों, पृथ्वी और समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने कहा, 'हम जो बदलाव कर रहे हैं, वे अगली पीढ़ी को इस रोमांचक नए भविष्य के लिए तैयार करेंगे और यह भविष्य व्यापक और अधिक विविध अवसर पेश करेगा।'

कोलगेट का ओरल हेल्थ मूवमेंट - 4.5 मिलियन लोगों की जांच की गई

रोचक जानकारियां सामने आईं, भारत में डेंटिस्ट्स के पास जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड आठ दशक से अधिक समय से भारत में ओरल केयर क्रांति ला रहा है। कंपनी देश में ओरल हेल्थ में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में लगभग 100 प्रतिशत परिवारों में टूथपेस्ट का उपयोग होता है, लेकिन ओरल केयर के क्षेत्र में अभी भी बहुत संभावनाएं हैं। ओरल केयर में वो आसान दैनिक आदतें शामिल हैं, जो बिना खर्च लंबे समय तक ओरल हेल्थ बनाकर रखती हैं।

कोलगेट के ओरल हेल्थ मूवमेंट में भारत में ओरल हेल्थ का स्कोर 5 में से 2.6 रहा, जिससे देश में ओरल केयर को प्राथमिकता डी दिए जाने की जरूरत प्रदर्शित होती है

भारत में 90 प्रतिशत लोगों को दांतों की समस्या है, लेकिन डेंटिस्ट से नियमित जांच केवल 9 प्रतिशत लोग ही कराते हैं। इसलिए इस महत्वपूर्ण विषय पर बातचीत शुरू करना और इस बारे में कार्रवाई करना आवश्यक था। मौजूदा और आदर्श व्यवहार के बीच के अंतर को दूर करने के लिए कोलगेट ने नवंबर 2024 में ओरल हेल्थ मूवमेंट शुरू किया। इस पहल में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से लाखों भारतीयों को सशक्त बनाया गया। उन्हें अपने मोबाइल फोन से ओरल हेल्थ की जांच करने में समर्थ बनाया गया, तथा इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) के साथ साझेदारी में 50,000 डेंटिस्ट्स का नेटवर्क विकसित किया गया, ताकि उनका फ्री डेंटल चेक-अप किया जा सके।

2019 में कांटार द्वारा किया गया डेंटल कैम्प अध्ययन- कोलगेट ओरल हेल्थ मूवमेंट में, पूरे देश में 4.5 मिलियन से अधिक भारतीयों की ओरल हेल्थ की जांच की गई। यह जांच 700 से अधिक जिलों के 18,000 से अधिक पिन कोड में हुई। जिन लोगों की जांच की गई, उनमें से 1/6 लोग स्क्रीनिंग के बाद डेंटिस्ट के पास गए (आईडीए डेटा)। इससे प्रदर्शित होता है कि इस मूवमेंट ने भारतीयों को कार्रवाई के लिए प्रेरित किया।

एनविजन एनर्जी इंडिया को ईएन 182/5एमडब्ल्यू टर्बाइन मॉडल के लिए आरएलएमएम के अंतर्गत मंजूरी मिली

मुंबई, एजेंसी। एनविजन एनर्जी इंडिया को 28 मई, 2025 को अपने मॉडल संख्या इएन-182/5.0 50 एच5 टीसी के लिए आरएलएमएम की मंजूरी प्राप्त हुई। नया इएन-182/5.0 मेगावाट टरबाइन 181 मीटर रोटर व्यास, 105.56 मीटर हब ऊंचाई और ट्यूबलर स्टील टॉवर के साथ 89 मीटर ब्लेड से सुसज्जित है। इसे डीएनवी से आइइसी 61400-22:2010 टाइप सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है, जिसकी वैधता 16 फरवरी, 2026 तक है।

एनविजन एनर्जी ने अपने आईपीपी ग्राहकों से इएन-182/5.0 मेगावाट प्लेटफॉर्म के लिए 2 गीगावाट ऑर्डर बुक किया है, जिसकी डिलीवरी 2025 की तीसरी तिमाही से शुरू होगी। तिरुचिरापल्ली स्थित ब्लेड विनिर्माण इकाई तथा पुणे स्थित नैसेल और हब संयंत्र, दोनों ही हमारे ग्राहकों को ये मशीनें उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारत में पवन टरबाइन बेचने के लिए किसी भी ओईएम को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) से आरएलएमएम की मंजूरी प्राप्त करना अनिवार्य है। यह नया प्लेटफॉर्म, मौजूदा ईएन 156/3.3एमडब्ल्यू प्लेटफॉर्म की तुलना में वार्षिक ऊर्जा उत्पादन (एईपी) में 40 प्रतिशत से अधिक वृद्धि करता है, जिससे ग्राहकों को महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होता है।

ओप्पो ने लॉन्च किया के13 एक्स 5जी सबसे टफ और ड्यूरेबल स्मार्टफोन

मुंबई, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने अपने सेगमेंट में सबसे मज़बूत 5जी स्मार्टफोन ओप्पो के13एक्स 5जी पेश किया है। यह बिना किसी समझौते के ड्यूरेबिलिटी और ऑल-राउंड फंक्शनैलिटी पसंद करने वाले युवा विद्यार्थियों और प्रोफेशनल्स के लिए बनाया गया है। के13×5 जी एसजीएस मजबूती के लिए गोल्ड ड्रॉप सर्टिफिकेशन और एमआईएल-एसटीडी 810एच मिलिट्री-ग्रेड मानकों के साथ आता है। इसलिए यह अपने सेगमेंट में सबसे अधिक मजबूत डिवाइस है। इसमें 360ए डैमेज-प्रूफ आर्मर बॉडी है, जो एयरोस्पेस-ग्रेड एएम04 एल्युमिनियम एलॉय से बनी है। क्रिस्टल शील्ड ग्लास और गहरे समुद्री स्पंज से प्रेरित बायोमिमेटिक स्पंज शॉक एब्जॉर्प्शन सिस्टम इसकी मजबूती को बढ़ा देते हैं। आईपी65 वॉटर और डस्ट रेजिस्टेंस के साथ, ओप्पो के13×5जी ड्यूरेबिलिटी का नया मानक स्थापित करता है, तथा स्टाइल या उपयोग से समझौता किए बिना बेजोड़ मजबूती प्रदान करता है।

टाटा मोटर्स ने भारत की सबसे शक्तिशाली स्वदेशी एसयूवी- हैरियर.ईवी की प्रारंभिक कीमतों की घोषणा की

9 बुकिंग शुरू होगी 2 जुलाई से

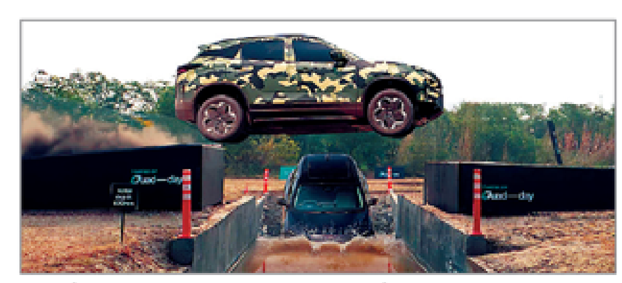

भोपाल । भारत की अग्रणी 4-व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने आज एसयूवी- हैरियर.ईवी भारत की सबसे शक्तिशाली स्वदेशी एसयूवी की शुरुआती कीमतों की घोषणा की। इस एसयूवी में ऐसे इनोवेशन शामिल हैं जो न सिर्फ इंडस्ट्री फर्स्ट हैं, बल्कि विश्व स्तर पर भी अग्रणी हैं। इसके साथ ही बैटरी पैक पर लाइफटाइम वारंटी जैसी सुविधा इसे लंबे समय तक भरोसेमंद बनाती है। हैरियर.ईवी ने सुपरकार जैसी परफॉर्मेंस, हर रास्ते पर चलने की क्षमता, अत्याधुनिक तकनीक और शानदार आरामदायक अनुभव प्रदान करके खुद को भविष्य की अल्टीमेट एसयूवी के रूप में स्थापित किया है। हैरियर.ईवी की बुकिंग 2 जुलाई से शुरू हो रही है। इसके रियर-व्हील ड्राइव वर्ज़नों की प्रारंभिक कीमतें निम्नलिखित हैं। क्वैड व्हील ड्राइव डुअल-मोटर वर्जन की कीमतें 27 जून 2025 को घोषित की जाएंगी। परसोना, कीमतस (भारतीय रुपये में) (सभी कीमतें एक्स-शोरूम, पूरे भारत में लागू), एडवेंचर 65, 21.49 लाख, एडवेंचर र 65, 21.99 लाख, फियरलेस + 65, 23.99 लाख, फियरलेस+ 75, 24.99 लाख, एम्पॉवर्ड 75, 27.49 लाख, सयह कीमत बिना चार्जर और इंस्टॉलेशन लागत के हैं। एसी फास्ट चार्जर विकल्प उपलब्ध है, जिस पर शुल्क देना होगा। हैरियर.ईवी की प्रतिस्पर्धी कीमतों पर टिप्पणी करते हुए टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर श्री विवेक श्रीवास्तव ने कहा, हैरियर.ईवी के जरिये हम एसयूवी की असली क्षमता को सामने लाना चाहते हैं - सुपरकार जैसी परफॉर्मेंस, हर जगह जाने की क्षमता, अत्याधुनिक तकनीक और शानदार आराम।

अमेजन इंडिया ने प्राइम डे 2025 की घोषणा की

12 से 14 जुलाई तक तीन दिन, शानदार डील्स और बड़ी बचत

प्राइम मेंबर्स के लिए खास तौर पर तैयार, नई लॉन्चिंग्स, धमाकेदार डील्स, जबरदस्त एंटरटेनमेंट और ढेर सारी शानदार पेशकशें

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेजन इंडिया ने आज घोषणा की कि प्राइम डे 2025 भारत में पहली बार तीन दिन तक मनाया जाएगा। यह खास सेल 12 जुलाई की रात 12:00 बजे शुरू होकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक चलेगी।

इन 72 घंटों में प्राइम मेंबर्स के लिए जबरदस्त डील्स, शानदार बचत, नई लॉन्चिंग्स और एक्सक्लूसिव एंटरटेनमेंट का मज़ा मिलेगा, और यह सब कुछ खासतौर पर प्राइम ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। इस बार भारत में पहली बार प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे अतिरिक्त शॉपिंग का मौका मिलेगा, जिससे वे बड़े ब्रांड्स और छोटे व्यवसायों से समान रूप से खरीदारी कर सकेंगे। साथ ही, प्रमुख बैंकिंग पार्टनर्स की ओर से मिलने वाले खास ऑफर्स का भी लाभ उठा सकेंगे। ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड्स, एसबीआई क्रेडिट कार्ड्स और आईसीआईसीआई व एसबीआई क्रेडिट कार्ड्स पर ईएमआई के जरिए भुगतान करके 10 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बचत कर सकते हैं।

इस प्राइम डे पर प्राइम मेंबर्स को 400 से भी ज्यादा टॉप भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के हजारों नए प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग पर एक्सक्लूसिव अर्ली एक्सेस मिलेगा। इसके अलावा, छोटे और मध्यम व्यवसायों (एसएमबी) के उत्पाद भी खास ऑफर्स के साथ उपलब्ध होंगे।

तीन दिन चलने वाला यह वार्षिक उत्सव प्राइम सदस्यों के लिए शानदार डील्स, धमाकेदार एंटरटेनमेंट, जबरदस्त बचत और ढेर सारी खास पेशकशें लेकर आ रहा है। स्मार्टफोन्स, टीवी, अप्लायंसेज, फैशन और ब्यूटी, ग्रॉसरी और डेली एसेंशियल्स, अमेज़न डिवाइसेज़, होम व किचन प्रोडक्ट्स, फर्नीचर और बहुत कुछ, हर कैटेगरी में मिलेगा बेहतरीन शॉपिंग का अनुभव और बड़ी बचत।

भारत और उभरते बाजारों के लिए प्राइम, डिलीवरी और रिटर्न्स निदेशक अक्षय साही ने कहा, प्राइम डे हमेशा से हमारे सदस्यों के लिए एक उत्सव रहा है - जहां उन्हें नई लॉन्चिंग्स, बेहतरीन डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट का अनुभव मिलता है, वो भी तेज़ डिलीवरी के साथ। इस साल, पहली बार हम प्राइम डे को तीन पूरे दिनों तक बढ़ा रहे हैं, जिससे हमारे सदस्यों को शॉपिंग, सेविंग और मनोरंजन का आनंद लेने के लिए और भी ज्यादा समय मिलेगा।

पोकर एक माइंड स्पोर्ट: एमपी के आईआईटीयन केशरवानी ने मनीमेकर टूर्नामेंट में अपना पहला ब्रेसलेट जीता

भोपाल। मध्य प्रदेश के चाकघाट से ताल्लुक रखने वाले 31 वर्षीय आदित्य केशरवानी ने पोकर बाज के प्रतिष्ठित द मनीमेकर टूर्नामेंट में जीत हासिल कर अपने करियर की एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। 1000 से अधिक प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए, पूर्व आईआईटीयन ने अपना पहला प्रतिष्ठित ब्रेसलेट खिताब और 15 लाख रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। आदित्य की यात्रा जितनी कौशल की है, उतनी ही व्यक्तिगत अनुशासन की भी है। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर चाकघाट में पले-बढ़े आदित्य का पालन-पोषण एक पारंपरिक परिवार में हुआ, जहां उनकी शैक्षणिक प्रतिभा को शुरुआत से ही पहचाना गया। स्थानीय स्तर पर सीमित शैक्षिक संसाधनों को देखते हुए, उनके माता-पिता ने उन्हें प्रयागराज के एक बोर्डिंग स्कूल भेजने का महत्वपूर्ण फैसला लिया। वहां आदित्य ने न सिर्फ पढ़ाई में उत्कृष्टता हासिल की, बल्कि एक सर्वांगीण खिलाड़ी के रूप में भी उभरे, वे फुटबॉल, टेबल टेनिस, तैराकी और योग जैसी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट और इटैलियन इंस्टीट्यूट ऑफ कलिनरी आर्ट्स एंड हॉस्पिटैलिटी ने रणनीतिक साझीदारी की

हैदराबाद/नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की आतिथ्य शिक्षा परिदृश्य के लिए एक नयी मिसाल स्थापित करने वाले एक ऐतिहासिक गठबंधन के तहत महिन्द्रा युनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट ने इटली के पाक कला और आतिथ्य के प्रमुख संस्थान कास्ट एलिमेंटी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है।

इस गठबंधन से भारत में पाक कला शिक्षा के मानकों को नई ऊंचाई मिलने जा रही है जहां विद्यार्थियों को प्रामाणिक इतालवी भोजन और गहन अंतरराष्ट्रीय शिक्षण अनुभव का सीधा लाभ मिलेगा।

इस एमओयू पर महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलपति डाक्टर यजुलू मेदुरी और कास्ट एलिमेंटी के सीईओ क्रिस्टियन कैंटालुप्पी ने औपचारिक तौर पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर महिन्द्रा युनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट के डीन शेफ के. तिरुग्नानसांबंथम, कास्ट एलिमेंटी की एकैडमिक डिडैक्टिल मैनेजर सुश्री अन्ना मारिया स्कैटेना और कास्ट एलिमेंटी के एकैडमिक बिजनेस ग्रोथ कंसल्टेंट श्री सन्नी मेनन उपस्थित थे।

इस रणनीतिक गठबंधन के तहत स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट और कास्ट इतालवी पाक कला और इतालवी पैस्ट्री आर्ट्स में तीन माह के विशेष अल्पावधि पाठ्यक्रम की पेशकश करेंगी। यह पाठ्यक्रम पाक कला को लेकर उत्साही और आकांक्षी पेशेवरों के लिए डिजाइन किया गया है। यह कार्यक्रम इस बात को लेकर अलग है कि इसे अग्रणी इतालवी शेफ और पाक कला शिक्षकों द्वारा सिखाया जाता है जो हैदराबाद में महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कैंपस में इसे पढ़ाएंगे।

प्रतिभागियों को प्रामाणिक इतालवी पाक कला परंपराओं, समकालीन तकनीकियों और क्षेत्रीय विशेषज्ञताओं में दक्ष बनाया जाएगा और वह भी भारत में। महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलपति डाक्टर यजुलू मेदुरी के मुताबिक, इस साझीदारी के जरिए हमारा लक्ष्य हमारे विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक सीख, वैश्विक अनुभव और सांस्कृतिक आदान

प्रदान का एक अलग मेल उपलब्ध कराना है जिससे पाक कला और आतिथ्य क्षेत्रों में विजनरी नेता और उद्यी के तौर पर उभरने के लिए सशक्त हो सकें।

हमारा मानना है कि सही मायने में सीख, कक्षा से परे होती है और यह तल्लीनता भरा, अंतर क्षेत्रीय और वास्तविक दुनिया के अनुभवसे युक्त होना चाहिए। इस दीर्घकालीन गठबंधन के तहत अकादमिक गठबंधन एवं नवप्रवर्तन के लिए अध्यापन का मानक बढ़ाने और एक सुगठित, टिकाऊ रूपरेखा विकसित करने के उद्देश्य से संयुक्त अकादमिक पहल पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

ब्लू क्लाउड सॉफटेक सॉल्यूशंस लि. का बोरोविंग लिमिट 2000 करोड़ तक बढ़ाने का प्रस्ताव

मुंबई, एजेंसी। ब्लू क्लाउड सॉफटेक सॉल्यूशंस लिमिटेड (बीसीएस) (बीएसई: 539607), जो अत्याधुनिक एआईओटी समाधानों की अग्रणी प्रदाता कंपनी है, ने अपने फ्यूचर ग्रोथ को बढाने के उद्देश्य से अपनी वित्तीय क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कदम उठाने की घोषणा की है। कंपनी ने 27 जून 2025 को होने वाली ईजीएम में अपने कुल बोरोविंग लिमिट को ?2000 करोड़ तक बढ़ाने के लिए शेयरधारकों की स्वीकृति मांगी है। यह प्रस्ताव कंपनी को विस्तार, संचालन और नए व्यावसायिक अवसरों के लिए धन जुटाने में अधिक स्वतंत्रता और सुविधा प्रदान करेगा। इस बढ़ी हुई बोरोविंग लिमिट को समर्थन देने के लिए, ब्लू क्लाउड अपनी परिसंपत्तियों, जिनमें वर्तमान और भविष्य की दोनों संपत्तियां शामिल हैं, पर शुल्क या बंधक बनाने की अनुमति देने का भी प्रस्ताव कर रहा है। इससे कंपनी को ऋण या अन्य माध्यमों से धन जुटाते समय पर्याप्त सुरक्षा देने की सुविधा मिलेगी। इन प्रस्तावों पर शेयरधारकों द्वारा मतदान किया जाएगा। कंपनी का मानना है कि ये कदम उसे विकास के अगले चरण के लिए तैयार और सशक्त बनाएंगे। हाल ही में, कंपनी के बोर्ड ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित करते हुए 10 जून 2025 को वैल्यूएशन के निर्धारण की नई तारीख के रूप में अनुमोदित किया है, जो कि शेयर स्वैप / निर्गम के लिए आवश्यक है। इस प्रस्ताव के तहत कंपनी 6,40,00,000 शेयर एम/एस एआईएस एनीवेयर के खरीदेगी और उसके बदले में प्रेफरेंशियल आधार पर 31,68,00,000 इक्विटी शेयर जारी करेगी।

'वॉर 2' पोस्टर: ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी तो एक्शन मोड में, पर JR NTR का चेहरा क्यों उतरा!

ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी दमदार एक्शन के लिए तैयार हैं, जैसा कि 'वॉर 2' से उनके फर्स्ट लुक पोस्टर में देखा जा सकता है। उनके पोस्टर अलग-अलग रिलीज किए गए हैं। फिल्म के एक एक्शन सीक्वेंस से तीनों के पोस्टर रिलीज किए गए हैं। कियारा, जो 'वॉर 2' के पोस्टर में बिकिनी में दिखाई दी थीं, वो बंदूक पकड़े हुए दिखाई दीं। वह अपनी आगामी रिलीज में पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आएंगी। उनका पोस्टर 'वॉर 2' के टीजर से उनके वायरल बिकिनी लुक के कुछ हफ्ते बाद आया है।

'वॉर 2' रिलीज डेट

फिल्ममेकर ने यह भी शेयर किया कि दर्शकों के एक्सपीरियंस को बढ़ाने के लिए बहुत सारी प्लानिंग के बाद वॉर 2 बनाई जा रही है। उन्होंने कहा, 'अधिकतम समय एक्शन सेट और कहानी को लेकर बिताया गया, जो ऋतिक रोशन और एनटीआर के बीच आमना-सामना करने के लिए जरूरी थी।' 'वॉर 2' 14 अगस्त, 2025 को गणतंत्र दिवस वीक में रिलीज होगी।

'वॉर 2' में तीनों अभिनेता के पोस्टर

वॉर 2 के मेकर्स वाईआरएफ ने गुरुवार को ऋतिक, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी सहित तीनों स्टार्स का पोस्टर रिवील किया है। वे नए-नए रिलीज किए गए पोस्टर में एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं और फिल्म के लिए 50 दिनों की उलटी गिनती शुरू हो गई है। ऋतिक रोशन के पोस्टर में उनके चेहरे का क्लोज-अप दिखाया गया है, जिसमें वे हाथ में चाकू लिए कैमरे की ओर ध्यान से देखते हुए नजर आ रहे हैं। वॉर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले जूनियर एनटीआर अपने हाथ में दो बंदूकों से गोलियां चलाते हुए नजर आ रहे हैं। वॉर 2 के टीजर से कियारा आडवाणी की बिकिनी फोटो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि उनकी परफेक्ट दिखने वाली बॉडी CGI का नतीजा है। दूसरे ने दावा किया कि बिकिनी फोटो एक बॉडी डबल की है। लेकिन कियारा ने इस बारे में कुछ नहीं कहा है।

काजोल और बेटे युग की 'मां' फिल्म स्क्रीनिंग पर शानदार एंट्री

एक्ट्रेस काजोल की फिल्म मां लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। सुपरनेचुलर हॉरर थ्रिलर के तौर पर हर कोई काजोल की इस अपकमिंग मूवी की रिलीज का इंतजार कर रहा है। जो अब खत्म होने वाला है। कल बीते रात यानी बुधवार को इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई और इस मौके पर काजोल के अलावा देवगन परिवार के कई सदस्य नजर आए। बात दें कि कुछ नामी बॉलीवुड सेलिब्रिटी भी इस इवेंट में नजर आए हैं।

'मां' फिल्म स्क्रीनिंग पर मां बेटे की शानदार एंट्री

काजोल अपने बेटे के साथ फिल्म 'मां' की स्क्रीनिंग पर हाथ थामें नजर आई है। साथ ही काजोल इस इवेंट पर ऑफ व्हाइट कलर की साड़ी पहनी है, वहीं बेटे युग डेनिम जींस और सिंपल शर्ट में पैपराजी को पोज देते नजर आए हैं। साथ ही अजय देवगन ब्लैक अटायर में काफी कूल नजर आए और इनका स्टाइल भरा अंदाज फैंस को खूब पसंद आया है।

फिल्म 'मां' स्क्रीनिंग पर बॉलीवुड के कई सेलेब्स भी नजर आए है। बता दें कि ये फिल्म अजय देवगन के प्रोडक्शन हाउस में बनी है। इस मौके पर उनके करीबी दोस्त और डायरेक्टर रोहित शेट्टी भी पैपराजी को पोज देते नजर आए है। इसके अलावा 'मां' फिल्म की पूरी स्टारकास्ट भी प्रीमियर में साथ नजर आई है। दरअसल, कई फेमस अभिनेता जैसे धनुष, इंद्रनील सेनगुप्ता, रोनित रॉय, सुनील शेट्टी और उनकी वाइफ माना शेट्टी, सोनू निगम, भूषण कुमार, मृणाल ठाकुर, रकुल प्रीत सिंह, जैकी भगनानी, विंदू दारा सिंह और आनंद एल राय सहित कई बॉलीवुड सितारें इसकी स्क्रीनिंग पर चार चांद लगाने पहुचें है।

द फैंटास्टिक फोर का फिल्म का ट्रेलर हुआ रिलीज इस दिन मचाएगी तबाही

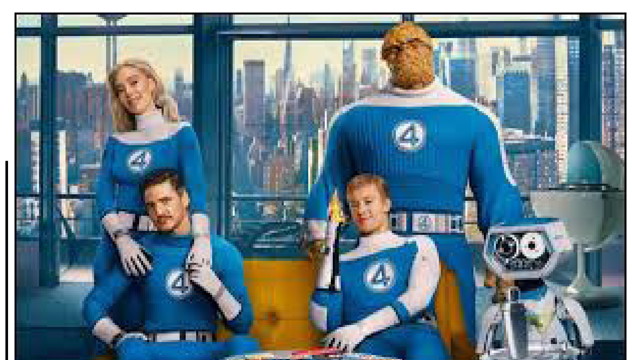

पृथ्वी को बचाने आ रहे चार सुपरहीरो, मार्वल की फिल्म मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की दुनिया में चार और सुपरहीरो की एंट्री हो रही है। मार्वल ने सुपरहीरो पर आधारित कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों का निर्माण किया है। आज ये सुपरहीरो पूरी दुनिया के दर्शकों के दिलों पर राज करते हैं। अब इस यूनिवर्स में एक और फिल्म शामिल हो रही है जिसमें चार सुपरहीरो दिखाई देंगे। मार्वल की अपकमिंग फिल्म है द फैंटास्टिक फोर फर्स्ट स्टेप (The Fantastic Four First Step)।

जब से द फैंटास्टिक फोर फर्स्ट स्टेप की अनाउंसमेंट हुई थी, तभी से इस हॉलीवुड फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब आखिरकार फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, साथ ही यह भी अनाउंस कर दिया गया है कि फिल्म कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह चार भाषाओं में वर्ल्डवाइड जादू बिखेरने वाली है।

फिल्म का ट्रेलर हुआ रिलीज

17 अप्रैल 2025 को मार्वल ने द फैंटास्टिक फोर का ट्रेलर शेयर किया है। ट्रेलर की शुरुआत चार एस्ट्रोनोट्स की है जो स्पेस में जाते हैं और वापस आने के बाद एकदम बदल जाते हैं। उनकी जिंदगी खुशियों से भरने ही वाली होती है, तभी खलनायक की एंट्री होती है जो पृथ्वी को नष्ट करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। चार सुपरहीरो जो एक परिवार बनकर पृथ्वी को दुश्मनों से बचाने में जुट जाते हैं। आखिरी के सीन में खलनायक की हल्की सी झलक दिखाई गई है।

कब रिलीज होगी द फैंटास्टिक फोर?

मैट शेकमैन के निर्देशन में बनी अपकमिंग फिल्म द फैंटास्टिक फोर फर्स्ट स्टेप को सिनेमाघरों में देखने के लिए आपको कुछ महीनों का इंतजार करना पड़ेगा। यह फिल्म सिनेमाघरों में 25 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। आप इसे इंग्लिश, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में देख सकते हैं।

क्या है द फैंटास्टिक फोर की कहानी?

कहानी 1960 के दशक से प्रेरित रेट्रो-फ्यूचरिस्टिक पैरलल पृथ्वी पर फैंटास्टिक फोर को अपनी दुनिया को ग्रह-भक्षण करने वाले ब्रह्मांडीय प्राणी गैलेक्टस और उसके दूत सिल्वर सर्फर से बचाना होगा।

फिल्म में पेड्रो पास्कल (मिस्टर फैंटास्टिक), वैनेसा किर्बी (इनविजिबल वुमन), जोसेफ क्विन (ह्मन टॉर्च), एबोन मॉस (द थिंग), राल्फ इनेसन (गैलेक्टस) और जूलिया गार्नर (सिल्वर सर्फर), पॉल वाल्टर हाउजर, जॉन माल्कोविच, नताशा लियोन और सारा नाइल्स जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं।

गोविंदा ने किया अपकमिंग फिल्म का ऐलान, 6 साल बाद पर्दे पर

90 के दशक के सबसे लोकप्रिय अभिनेता के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें गोविंदा का नाम सबसे ऊपर रहता है। उस दौर का ये सुपरस्टार फिलहाल मौजूदा समय में संघर्ष से गुजर रहा है। लेकिन अब शायद बुरे दिन का सफर खत्म हो गया है, क्योंकि गोविंदा ने एक लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी अपकमिंग फिल्म (Govinda Upcoming Movie) की अनाउंसमेंट कर दी है। लगभग 6 साल बाद अब गोविंदा की झलक किसी मूवी में देखने को मिलेगी। आइए जानते हैं कि उनकी आने वाली इस फिल्म का नाम क्या है।

इस फिल्म से होगा गोविंदा का कमबैक

बीते समय में गोविंदा का नाम अपने प्रोफेशनल करियर से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बना रहा है। कभी गोलीकांड तो कभी पत्नी सुनीता आहूजा संग तलाक की अफवाहों की वजह से सिनेमा के हीरो नंबर-1 ने सुर्खियां बटोरी हैं। लेकिन फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म को लेकर गोविंदा लाइमलाइट में बने हुए हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर किया है, जिसमें एक्टर ने अपनी चौथी अपकमिंग मूवी दुनियादारी का टाइटल रिवील किया है और पोस्ट के कैप्शन में लिखा है- अपनी आने वाली चौथी फिल्म दुनियादारी के लिए डांस रिहर्सल करता हुआ।

गोविंदा की तरफ से की गई इस अनाउंसमेंट के बाद फैंस की तरफ से मिले-जुले रिएक्शंस सामने आ रहे हैं। कोई उनकी इस आने वाली फिल्म की खबर सुनकर खुश है तो एक तबका उनका ओटीटी कंटेंट की तरफ ध्यान देने की सलाह दे रहा है। खैर, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा कि गोविंदा का ये कमबैक कितना सफल होगा या नहीं। बता दें कि दुनियादारी फिल्म के लिए गोविंदा ने नया लुक भी अपनाया है, जिसमें वह मूंछों में दिखाई दिए हैं। उनका ये लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

आखिरी बार इस मूवी में दिखे थे गोविंदा

90 के दशक में हिट फिल्मों की गारंटी के तौर पर गोविंदा को जाना जाता था। लेकिन समय बदलने के साथ-साथ उनके एक्टिंग करियर पर एक तरह से ग्रहण भी लग गया। आखिरी बार गोविंदा को कॉमेडी-ड्रामा मूवी रंगीला राजा में देखा गया था, जो 2019 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई थी।

सलमान खान ने खरीदी नई बुलेटप्रूफ कार, कीमत जानकर लगेगा झटका

फिल्मी सितारों का नाम प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर आए दिन लाइमलाइट में बना रहता है। उनकी लाइफस्टाइल के बारे में भी जानने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड रहते हैं। इस मामले में सलमान खान का नाम हमेशा से सुर्खियां बटोरता है। अब खबर आ रही है कि सलमान ने एक नई कार खरीदी है, जो बुलेटप्रूफ है।उनकी इस कार को लेकर खूब चर्चा हो रही है और फैंस ये जानना चाहते हैं कि आखिर सलमान खान की इस नई गाड़ी की कीमत कितनी है और इसकी क्या खासियत है।

सलमान की नई बुलेटप्रूफ कार

जिस कंपनी बुलेटप्रूफ कार सलमान खान ने खरीदी है वह मर्सिडीज बेंज-मेबैक GLS 600 SUV (Mercedes Benz Maybach GLS 600) है। इस कार की कीमत 3.5 करोड़ से लेकर 4 करोड़ के बीच है, जो काफी ज्यादा है। खबर ये भी आ रही हैं कि सलमान पहले ऐसे भारतीय हैं, जिन्होंने इस मॉडल की पहली बुलेटप्रूफ कार को खरीदी है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा सकती है।

अभी कुछ दिन पहले सलमान की कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुईं, जिसमें सलमान अपनी नई कार में दिखाई दिए।

इससे पहले सलमान खान के पास पहले से ही एक बुलेटप्रूफ कार है, जो टोयोटा लैंड क्रूजर LC200 और निशान की पेट्रोल बुलेटप्रूफ SUV है। इन कारों में प्रीमियर इंटीरियर फीचर के अलावा बम अलर्ट और बुलेट अटैक झेलने वाले डोर ग्लास मौजूद होते हैं। इनमें इंडिकेटर और गोलीबारी झेलने की पूरी झमता होती है। इतना ही नहीं जो भी कार में बैठा होगा उनकी प्राइवेसी के लिए टिंटेड विंडोज भी मौजूद रहता है।बता दें कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गे की तरफ से बीते समय से सलमान खान को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिसकी वजह से अपनी सुरक्षा के लिए सलमान ने इन बुलेटप्रूफ कारों को खरीदा है, ताकि उनके साथ किसी भी तरह कोई अनहोनी न हो पाए।

बिग बॉस से सलमान करेंगे वापसी

सलमान खान की पिछली फिल्म सिकंदर का बॉक्स ऑफिस पर बेहद बुरा हाल हुआ था। इस फिल्म के बाद सलमान अब आने वाले समय में अपने रियलिटी शो बिग बॉस से वापसी करेंगे। दरअसल बिग बॉस सीजन 19 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो आने वाले अगस्त से शुरू हो सकता है।

हार्दिक संग रिश्ते पर ईशा गुप्ता ने तोड़ी चुप्पी

कहा- सिर्फ कुछ समय तक बातचीत हुई, हम दोनों एक-दूसरे के लिए नहीं बने थे

एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ रिश्ते को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि दोनों कुछ समय के लिए एक-दूसरे से बातचीत कर रहे थे, लेकिन वह रिश्ता कभी डेटिंग तक नहीं पहुंचा।

ईशा ने सिद्धार्थ कन्नन को दिए एक इंटरव्यू में कहा, "हां, कुछ समय तक हमारी बातचीत हुई थी। मैं इसे डेटिंग नहीं कहूंगी, लेकिन हम कुछ महीनों तक बात कर रहे थे। हम उस स्टेज पर थे जहां लगता था शायद कुछ हो जाए, शायद नहीं। ये बातचीत डेटिंग स्टेज तक पहुंचने से पहले ही खत्म हो गई। हम एक या दो बार ही मिले थे।"

जब ईशा से पूछा गया कि क्या उनके बीच कपल बनने की संभावना थी, तो उन्होंने कहा, "शायद हो सकता था, लेकिन लगता है कि ऐसा होना नहीं था। उस समय हार्दिक पहले से ही टीवी पर कुछ बयान देकर विवादों में थे और तब तक हमारी बातचीत भी बंद हो चुकी थी।"

ईशा ने 'कॉफी विद करण' के उस एपिसोड का भी जिक्र किया जिसमें हार्दिक पांड्या और केएल राहुल साथ आए थे। इस एपिसोड में हार्दिक के बयानों पर विवाद हुआ था। उन्होंने कहा, "मैं उस समय तक खुद को काफी मजबूत बना चुकी थी। जब एपिसोड आया तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। वैसे भी वे लोग पहले ही बहुत कुछ झेल रहे थे, अगर मैं और कुछ बोलती तो क्या फायदा होता?"

ईशा ने कहा- वो मेरे टाइप के नहीं थे बातचीत कैसे खत्म हुई, इस पर ईशा ने कहा, "जब वो एपिसोड आया, तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था। हमें लगा कि हम एक जैसे नहीं हैं। सबका एक टाइप होता है। उन्होंने साफ किया कि हार्दिक में कोई कमी नहीं थी और न ही उनमें, लेकिन दोनों की सोच और पसंद अलग थी। उन्होंने यह भी कहा, "एक-दो महीने में हार्दिक को भी समझ आ गया था कि मैं उनकी टाइप की नहीं हूं और मुझे भी ऐसा ही लगा। हम दोनों एक-दूसरे के लिए नहीं बने थे"

बता दें कि 1 जनवरी 2020 को पांड्या ने डांसर और अभिनेत्री नताशा स्टेनकोविक से सगाई की थी. 30 जुलाई 2020 को उनके पहले बच्चे, एक लड़के, अगस्त्य पांड्या का जन्म हुआ था। वहीं हार्दिक और नताशा जुलाई 2024 में अलग हो गए।

'जन नायकन' से फिल्मों को अलविदा कहेंगे थलपति विजय

-आखिरी फिल्म के लिए एक्टर को मिली 275 करोड़ रुपये फीस!

साउथ एक्टर थलापति विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने 'जन नायकन' के लिए 275 करोड़ रुपए की फीस ली है। हालांकि, उन्हें फिल्म के प्रॉफिट में कोई हिस्सा नहीं मिलेगा।

'जन नायकन' को एच विनोद ने डायरेक्ट और केवीएन प्रॉडक्शंस प्रोड्यूस किया है। विजय के साथ फिल्म में पूजा हेगड़े और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि ममिथा बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण और प्रियमणि सपोर्टिंग रोल्स में नजर आएंगे।

फिल्म को पहली बार सितंबर 2024 में 'थलपति 69' के टाइटल के साथ अनाउंस किया गया था, क्योंकि यह विजय की 69वीं फिल्म है। आधिकारिक टाइटल जनवरी 2025 में सामने आया। इसकी शूटिंग फरवरी 2025 से चेन्नई और पयनूर में शुरू हुई। म्युजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है।

बता दें कि विजय 'तमिलगा वेट्री कझगम' (TVK) के संस्थापक अध्यक्ष हैं। फरवरी 2024 में विजय ने अपनी राजनीतिक पार्टी 'तमिलगा वेत्रि कलगम' लॉन्च करते हुए राजनीति में आने की घोषणा की थी। साथ ही उन्होंने कहा था कि वह फिल्मों से दूरी बना रहे हैं। बता दें कि विजय का फिल्मी करियर 1984 में बाल कलाकार के रूप में शुरू हुआ था। वहीं उन्होंने 1992 में अपने पिता एस. ए. चंद्रशेखर की फिल्म 'नालैया थीरपू' से बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया था।

2015 की फिल्म 'पुली' के बाद से उनकी कोई भी फिल्म फ्लॉप नहीं हुई। बीस्ट (2022), वारिसु (2023) और द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (GOAT, 2024) जैसी फिल्मों को मिले-जुले रिव्यूज मिले, लेकिन कमाई अच्छी हुई।

अमिताभ की आवाज़ अब नहीं बजेगी फोन पर, कॉलर ट्यून पर सरकार ने लगाया ब्रेक

अमिताभ बच्चन की आवाज़ में चलने वाली साइबर सुरक्षा कॉलर ट्यून एक चर्चा का विषय बन गया है और सरकार ने इसको लेकर फैसला किया है। फिल्मी दुनिया के महानायक अमिताभ बच्चन की आवाज़ में चलने वाली साइबर सुरक्षा कॉलर ट्यून इन दिनों काफी सुर्खियों में है। इससे पहले भी कई लोगो ने इसे बंद करने की मांग की थी और अब जाके सरकार ने आम लोगों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए ये बड़ा फैसला लिया है।

कॉलर ट्यून पर सरकार ने लगाया ब्रेक

बता दें कि अमिताभ बच्चन के इस कॉलर ट्यून में 40 सेकंड का मैसेज होता था जो हर कॉल से पहले बजता था। लेकिन अब संचार मंत्रालय ने फैसला लिया है कि अब इसे सिर्फ दिन में दो बार ही चलाया जाएगा। ये फैसला सरकार ने इमरजेंसी कॉल को ध्यान में रखते हुए लिया है ।

जिस अभियान के द्वारा देश के लोगो को अमिताभ बच्चन के आवाज के जरिए साइबर क्राइम से बचने की चेतावनी कॉलर ट्यून के द्वारा दी जा रही थी। अब ये अभियान बंद हो चुका है। तो भारत सरकार ने ये फैसला लिया है कि इस कॉलर ट्यून को पूरी तरीके से बंद कर दिया जाए और कहा है कि साइबर जागरूकता कॉलर ट्यून इमरजेंसी नंबर पर नहीं बनाए जाते हैं। अब आप जब भी कॉल करेंगे तो आपके यह कॉलर ट्यून नहीं सुनाई देगा।

अमिताभ बच्चन ने मजाकिया अंदाज में दिया जवाब

इसके साथ ही इस कॉलर ट्यून को लेकर कुछ यूजर्स ने तो अमिताभ बच्चन को टैग करके उनसे भी इसे बंद करवाने की अपील कर थी। एक यूजर ने मजाक में लिखा 'फोन पर बोलना बंद करो भाई। इस पर बिग बी ने यूजर को मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए लिखा 'सरकार को बोलो भई, हमने वही किया है जो उन्होंने हमसे कहा है।' इस रिप्लाई के बाद से अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर छाएं हुए है।

प्यार अभी जिंदा है! मलाइका ने अर्जुन कपूर को किया बर्थडे विश, स्पेशल मैसेज देते हुए बनाया दिल

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर बी-टाउन के फेमस कपल में से एक थे, दोनों शादी करने वाले थे लेकिन अचानक दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए और 2024 में 5 साल का रिश्ता खत्म कर दिया, लेकिन सच्चा प्यार खत्म नहीं होता, मलाइका अरोड़ा ने ये साबित किया। उन्होंने अर्जुन कपूर को जन्मदिन पर बधाई दी है। मलाइका ने अर्जुन कपूर की एक पुरानी वीडियो शेयर करते हुए स्पेशल मैसेज लिखा है। जो वायरल हो गया है।

मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर को किया बर्थडे विश

अर्जुन कपूर आज 26 जून को अपना 40वां बर्थडे मना रहे हैं। ऐसे में मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर के लिए एक इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट की है। इसमें उन्होंने वेकेशन मोड में अर्जुन कपूर की एक शॉर्ट वीडियो डाली है जिसमें अर्जुन कपूर मस्ती भरे अंदाज में कूदते दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए मलाइका ने लिखा हैप्पी बर्थडे अर्जुन कपूर। इसके साथ ही उन्होंने सफेद कलर का दिल और चीयर्स करते हुए बीयर वाला इमोजी भी बनाया है।

अर्जुन कपूर के लिए मलाइका का स्पेशल मैसेज

मलाइका अरोड़ा ने पहली बार है जब ब्रेकअप के बाद अर्जुन कपूर के लिए कोई पोस्ट किया हो। अक्सर मलाइका अपने खास लोगों के बर्थडे पर उन्हें विश करती नजर आती हैं, इस बार उन्होंने अर्जुन कपूर को भी जन्मदिन की बधाई दी है। इसे देखकर सोशल मीडिया पर दोनों ने बीच सब ठीक होने की अफवाहों को हवा मिल गई है। कपल के वो फैंस जो इनके अलग होने से दुखी थे अब वह खुश हो रहे हैं।

लीड्स में मिली हार पर गंभीर की दो टूक: "सिर्फ शतक नहीं, टीम की जीत ज़रूरी है"

-बुमराह सिर्फ 3 टेस्ट खेलेंगे, इंग्लैंड ने भारत को 5 विकेट से हराया

लीड्स टेस्ट हारने के बाद भारतीय कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि सिर्फ शतक नहीं, जीत मायने रखती है। उन्होंने यह बात पंत के शतकों के सवाल पर कही। गेंदबाजों के प्रदर्शन पर गंभीर ने कहा- 'भारत के युवा गेंदबाजों को समय देना होगा।' उन्होंने शुभमन गिल की कप्तानी और जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी की तारीफ की। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 5 विकेट की हार झेलनी पड़ी थी। टीम ने आखिरी दिन 371 रन का मुश्किल टारगेट सेट किया, जिसे इंग्लिश टीम ने 5 विकेट पर हासिल कर लिया।

कोच गौतम गंभीर की मुख्य बातें...

1. व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा है, लेकिन जीत सबसे बड़ी चीज

ऋषभ पंत के दो शतकों पर जब सवाल पूछा गया, तब गंभीर ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में तीन और शतक भी लगे हैं। वह भी बड़े पॉजिटिव हैं, लेकिन सिर्फ शतक नहीं, जीत ज्यादा मायने रखती है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल (कप्तान के रूप में पहला टेस्ट), केएल राहुल और पंत इन पांच बल्लेबाजों के शतक पॉजिटिव बात हैं।

2. बुमराह 3 ही टेस्ट खेलेंगे

जसप्रीत बुमराह के सवाल पर गौतम गंभीर ने साफ किया है कि तेज गेंदबाज बुमराह का पांच विकेट लेना शानदार था। हम अपनी योजना नहीं बदलेंगे। बुमराह के वर्कलोड को संभालना जरूरी है, क्योंकि आगे और भी क्रिकेट है। गंभीर ने युवा गेंदबाजों पर भरोसा जताते हुए कहा, हमने जो टीम चुनी है, वो विश्वास के साथ चुनी है, न कि उम्मीद के भरोसे। हम मानते हैं कि ये गेंदबाज बेहतर करेंगे। इस टेस्ट में भी हम चार दिन तक अच्छी स्थिति में थे।

3. युवा तेज गेंदबाजों को समय और अनुभव देना जरूरी

गंभीर ने कहा, भारत के युवा तेज गेंदबाजों को समय और अनुभव देना जरूरी है। बुमराह को छोड़कर कोई भी गेंदबाज ज्यादा प्रभावी नहीं दिखा। प्रसिद्ध कृष्णा, सिराज और शार्दुल ठाकुर लाइन-लेंथ में लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने आगे कहा, पहले हमारे पास चार ऐसे तेज गेंदबाज होते थे, जिनके पास 40 से ज्यादा टेस्ट का अनुभव होता था। अनुभव टेस्ट क्रिकेट में बहुत मायने रखता है, खासकर विदेशी दौरों में। अगर हर टेस्ट के बाद गेंदबाजों को आंकेंगे, तो हम तेज गेंदबाजी यूनिट कैसे बनाएंगे। प्रसिद्ध कृष्णा के पास बेहतरीन टेस्ट गेंदबाज बनने के सारे गुण हैं। शार्दुल को कम गेंदबाजी करने के पीछे गंभीर ने कप्तान के फैसले को सही ठहराया। वे बोले कभी-कभी कप्तान परिस्थितियों के अनुसार स्पिनर को प्राथमिकता देता है।

4. कभी-कभी प्लेयर्स फेल हो जाते हैं

निचले क्रम की बल्लेबाजी पर गंभीर ने कहा भारत की दोनों पारियों में निचले क्रम के बल्लेबाज जल्दी आउट हो गए जिससे बड़ी बढ़त नहीं बन पाई। भारत ने पहली पारी में 41 रन बनाने में आखिरी 6 विकेट गंवा दिए। जबकि दूसरी पारी में 31 रन में **5 विकेट गंवा दिए।** ऐसा नहीं कि उन्होंने कोशिश नहीं की, लेकिन कभी-कभी प्लेयर्स फेल हो जाते हैं। यह सामान्य बात है। उन्होंने आगे कहा, अगर हम पहली पारी में 570-580 तक पहुंच जाते, तो मैच पर पकड़ मजबूत होती। वे नेट्स में मेहनत कर रहे हैं और उम्मीद है कि भविष्य में टेलेंडर्स अच्छा करेंगे।

3. शुभमन गिल की कप्तानी सही रही

गंभीर ने कप्तान गिल के बारे में कहा अपने पहले टेस्ट में कप्तान के रूप में गिल ने शानदार शतक लगाया पहला मैच था तो नर्वस होना स्वाभाविक है, लेकिन उसने बहुत अच्छा किया। उसके पास एक सफल कप्तान बनने के सभी गुण हैं। बस हमें समय देना होगा। पहला टेस्ट भारत 5 विकेट से हारा भारतीय टीम एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 5 विकेट से हार गई। टीम 5 मैचों की सीरीज में 0-1 से पिछड़ गई है। सीरीज का दूसरा मैच 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार को मुकाबले के आखिरी दिन इंग्लैंड को 350 रन बनाने थे, जिसे टीम ने 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। बेन डकेट ने 149 और जैक क्रॉली ने 65 रन की पारी खेली। बेन स्टोक्स ने 33 रन बनाए। भारत से शार्दूल **ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा को दो-दो विकेट**।

गंभीर का दो टूक बयान: "सिर्फ शतक नहीं, जीत ज़रूरी है"

गौतम गंभीर ने मैच के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, टीम इंडिया के खिलाड़ी अब व्यक्तिगत आंकड़ों के पीछे भागते दिख रहे हैं। शतक लगाना अच्छी बात है, लेकिन जब टीम हार जाए तो उस शतक का क्या फायदा? टेस्ट क्रिकेट टीम गेम है, न कि सिर्फ आंकड़ों का खेल। गंभीर ने आगे कहा कि अब वक्त आ गया है जब खिलाड़ियों को टीम की जीत को प्राथमिकता देनी होगी, चाहे वो बल्लेबाज हो या गेंदबाज।

शुभमन गिल की कप्तानी की तारीफ

जहां एक ओर गंभीर ने टीम के रवैये पर सवाल उठाए, वहीं उन्होंने शुभमन गिल की कप्तानी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि गिल में नेतृत्व करने की समझ है और उन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम को अच्छे से संभाला। "गिल की कप्तानी में ठहराव है, और सबसे बड़ी बात, वह मैदान पर शांत रहते हैं। यह गुण एक टेस्ट कप्तान के लिए बेहद जरूरी होता है।" हालांकि, गिल की कप्तानी में मिली हार को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि अनुभव की कमी अब भी दिखती है और उसमें समय के साथ सुधार होगा।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास: लीड्स में दो शतक लगाकर टेस्ट करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल की

- कप्तान गिल को भी बड़ा फायदा

भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत ने बुधवार को टेस्ट करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल कर ली है। वे ICC की ताजा टेस्ट रैंकिंग में नंबर-7 पर आ गए हैं। वहीं, भारतीय कप्तान शुभमन गिल 5 स्थान ऊपर आकर 20वें नंबर पर पहुंच गए हैं।पंत ने लीड्स टेस्ट की दोनों पारियों में शतक बनाए थे। वे एंडी फ्लावर के बाद एक टेस्ट की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले दुनिया के दूसरे विकेटकीपर बने थे। उन्होंने पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन स्कोर किए। बैटर्स रैंकिंग में पंत के 801 रेटिंग पॉइंट हो गए हैं। उन्हें एक स्थान का फायदा मिला है। वहीं, पहली पारी में 147 रन बनाने वाले कप्तान गिल ने 660 रेटिंग पॉइंट के साथ 5 स्थान की छलांग पारी है। भारत ने इंग्लैंड को 371 रन का मुश्किल लक्ष्य दिया था, जो मेजबान टीम ने पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। जीत के बावजूद इंग्लैंड को टीम रैंकिंग में एक अंक का नुकसान हुआ है। उसे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का पिछला साइकल जीतने वाली साउथ अफ्रीका ने पीछे छोड़ दिया। भारतीय टीम चौथे स्थान पर कायम है

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने एक बार फिर अपने धमाकेदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में पंत ने दोनों पारियों में शानदार शतक लगाकर ना सिर्फ टीम को मजबूती दी बल्कि अपनी टेस्ट रैंकिंग को भी नई ऊंचाई पर पहुंचाया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) द्वारा जारी ताज़ा टेस्ट रैंकिंग में पंत अब करियर की सर्वश्रेष्ठ 7वीं रैंक पर पहुंच गए हैं।

पंत की लीड्स में ऐतिहासिक परफॉर्मेंस

लीड्स टेस्ट की पहली पारी में जब भारतीय टीम दबाव में थी, पंत ने 134 रनों की विस्फोटक पारी खेली। दूसरी पारी में भी उन्होंने 118 रन बनाए और टीम के लिए मैच को बराबरी पर लाने की पूरी कोशिश की। भले ही भारत यह मुकाबला 5 विकेट से हार गया, लेकिन पंत की पारियां यादगार रहीं।

पंत की बल्लेबाज़ी: आक्रामकता और समझदारी का मेल

पंत की बल्लेबाज़ी में एक बेखौफ़ आत्मविश्वास और सधी हुई रणनीति देखने को मिली। उन्होंने ना सिर्फ इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज़ों का डटकर सामना किया बल्कि स्पिन के खिलाफ भी बेहतरीन स्ट्रोक्स खेले। उनके शतक भारतीय क्रिकेट के इतिहास में गिने-चुने ऐसे मौकों में से हैं, जब किसी विकेटकीपर ने लगातार दो पारियों में शतक जड़ा हो।

ICC रैंकिंग में छलांग

ऋषभ पंत ने इस प्रदर्शन के बाद टेस्ट बल्लेबाज़ों की ICC रैंकिंग में 7वां स्थान प्राप्त कर लिया है। यह उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। इससे पहले वह 2021 में 10वें स्थान तक पहुंचे थे, लेकिन अब उन्होंने उस आंकड़े को पार कर लिया है।

टेस्ट रैंकिंग टॉप 10 (बैट्समैन)

रैंक	खिलाड़ी	देश	रेटिंग
1	केन विलियमसन	न्यूज़ीलैंड	903
2	जो रूट	इंग्लैंड	879
3	बाबर आज़म	पाकिस्तान	861
4	मार्नस लाबुशेन	ऑस्ट्रेलिया	854
5	स्टीव स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया	843
6	विराट कोहली	भारत	829
7	ऋषभ पंत	भारत	812
8	डेविड वॉर्नर	ऑस्ट्रेलिया	798
9	डेरिल मिशेल	न्यूज़ीलैंड	789
10	ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	782

विकेटकीपर के रूप में पंत की ऐतिहासिक उपलब्धि

इतिहास में कुछ ही विकेटकीपर ऐसे हुए हैं जो बल्लेबाज़ी रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचे हैं। पंत ने अब एडम गिलक्रिस्ट, एबी डिविलियर्स और मार्क बाउचर जैसे दिग्गजों की लिस्ट में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। उनका यह सफर एक प्रेरणा है कि कैसे आक्रामक शैली और निरंतरता के साथ कोई भी खिलाड़ी खुद को विश्व स्तर पर स्थापित कर सकता है।

कप्तान शुभमन गिल को भी रैंकिंग में फायदा

लीड्स टेस्ट में पंत के साथ कप्तान शुभमन गिल ने भी कमाल की बल्लेबाज़ी की। उन्होंने पहली पारी में 82 और दूसरी पारी में 66 रनों की जिम्मेदार पारियां खेलीं। इसके चलते उन्हें ICC रैंकिंग में 5 स्थान का फायदा हुआ और अब वे 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गिल ने हाल ही में कप्तानी संभाली है और उनका यह प्रदर्शन बताता है कि वे मानसिक रूप से भी मज़बूत हो रहे हैं।

भारत की हार के बावजूद उम्मीदें कायम

हालांकि भारत को लीड्स में 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन पंत और गिल की पारियों ने यह साफ कर दिया है कि टीम में प्रतिभा और जोश की कोई कमी नहीं है। यह प्रदर्शन अगली टेस्ट सीरीज़ में भारत के लिए प्रेरणा बन सकता है।

हर्षित राणा को टीम इंडिया से किया गया रिलीज़

-बर्मिंघम टेस्ट से पहले बाहर, लेकिन उम्मीदें बरकरार

भारतीय क्रिकेट टीम से जुड़ी एक अहम खबर सामने आई है। युवा तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा को इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया से रिलीज कर दिया गया है, और वह बर्मिंघम में खेले जाने वाले पहले टेस्ट में टीम के साथ नहीं गए हैं। हर्षित को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जाने वाली टेस्ट सीरीज़ के पहले मुकाबले के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। उनकी चयन की खबर ने क्रिकेटप्रेमियों में खासा उत्साह पैदा किया था, लेकिन अब उनके रिलीज होने की जानकारी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। टीम इंडिया लीड्स से बर्मिंघम रवाना भारतीय टीम लीड्स से बर्मिंघम के लिए रवाना हुई। टीम अगले दो दिन आराम करेगी और फिर दूसरा टेस्ट शुरू होने से पहले ट्रेनिंग शुरू करेगी। दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से खेला जाना है। भारतीय **टीम पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से पीछे है।**

कौन हैं हर्षित राणा?

हर्षित राणा एक तेज़ गेंदबाज़ हैं जो दिल्ली के घरेलू क्रिकेट में खेलते हैं और आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) का हिस्सा हैं। उन्होंने अपनी धारदार गेंदबाज़ी और निरंतर सुधार की वजह से राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। आईपीएल 2024 में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई बड़े बल्लेबाज़ों को आउट किया, जिसके चलते उन्हें भारत की टेस्ट टीम में जगह मिली।

अचानक रिलीज़ क्यों किया गया?

BCCI (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) की ओर से इस रिलीज़ के पीछे कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन क्रिकेट जगत में अटकलें हैं कि: टीम संयोजन में बदलाव की वजह से उन्हें रिलीज़ किया गया। शायद टीम मैनेजमेंट ने आखिरी समय पर किसी और गेंदबाज़ को तरजीह दी हो।

यह भी संभावना जताई जा रही है कि हर्षित को केवल नेट गेंदबाज़ के रूप में बुलाया गया था और अब ज़रूरत न होने के कारण उन्हें रिलीज़ किया गया। हालांकि, इन तमाम अटकलों के बीच हर्षित की प्रतिभा पर कोई सवाल नहीं है।

चयन के पीछे की वजहें

हर्षित राणा का चयन ऐसे वक्त हुआ जब भारत को अपने तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण को और धारदार बनाने की ज़रूरत थी। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी जैसे सीनियर खिलाड़ियों के साथ एक युवा गेंदबाज़ को तैयार करना BCCI की रणनीति का हिस्सा रहा है। हर्षित ने घरेलू क्रिकेट में रणजी ट्रॉफी और आईपीएल दोनों में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। उन्होंने तेज़ गति, सटीक लाइन और लेंथ के साथ विकेट लेने की क्षमता दिखाई, जो टेस्ट क्रिकेट के लिए अनिवार्य मानी जाती है।

बर्मिंघम टेस्ट की तैयारी

भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में होने वाला टेस्ट मुकाबला काफी अहम माना जा रहा है। इस टेस्ट के लिए भारतीय टीम ने कई नए चेहरों को मौका दिया है, जबकि कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है या वे चोट के कारण अनुपलब्ध हैं। हर्षित को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया था, जिससे उम्मीद थी कि भारत युवा तेज़ गेंदबाज़ों की नई फौज तैयार कर रहा है। लेकिन बर्मिंघम रवाना न होने और टीम से रिलीज़ किए जाने की खबर ने उनके अंतरराष्ट्रीय डेब्यू पर विराम लगा दिया। **खिलाड़ियों को रिलीज़ किया जाना सामान्य प्रक्रिया?**

हां, यह बात समझनी चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी खिलाड़ी को रिलीज़ किया जाना बहुत असामान्य नहीं है। ऐसा कई बार होता है जब खिलाड़ियों को नेट अभ्यास, बैकअप या किसी खास परिस्थिति के लिए बुलाया जाता है और फिर ज़रूरत न पड़ने पर उन्हें रिलीज़ कर दिया जाता है।

इसका मतलब यह नहीं कि वह खिलाड़ी फॉर्म में नहीं है या भविष्य में टीम में नहीं आएगा। BCCI ने हाल ही में कई मौकों पर खिलाड़ियों को इसी तरह से बुलाया और फिर रिलीज़ किया है – चाहे वो रजत पाटीदार हों, या नवदीप सैनी या उमरान मलिक।

हर्षित राणा का भविष्य

हर्षित राणा के लिए यह मौका भले ही फिलहाल हाथ से निकल गया हो, लेकिन उनका भविष्य उज्ज्वल है। उनके प्रदर्शन और मेहनत को देखते हुए ऐसा लगता है कि उन्हें आने वाले समय में और मौके मिलेंगे। चयनकर्ताओं की नज़रें उन पर हैं और अगर वह इसी तरह प्रदर्शन करते रहे तो टीम इंडिया में उनकी वापसी तय है।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं

हर्षित के रिलीज़ होने की खबर के बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने मिश्रित प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ लोगों ने बीसीसीआई से पारदर्शिता की मांग की है, वहीं कुछ लोगों ने हर्षित को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर उनके समर्थकों ने उन्हें "फ्यूचर बुमराह" तक कह दिया है। **खिलाड़ी के तौर पर हर्षित का रवैया**

हर्षित राणा ने अब तक इस घटनाक्रम पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन उन्हें जानने वाले लोग कहते हैं कि वह संयमित और मेहनती खिलाड़ी हैं, जो ऐसी परिस्थितियों से टूटते नहीं बल्कि और मज़बूत होकर लौटते हैं।

कोलंबो टेस्ट के पहले दिन बांग्लादेश की हालत नाज़ुक: 220/8 पर स्टंप्स

कोलंबो। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल बांग्लादेश के लिए मिश्रित रहा। बांग्लादेश की पूरी बल्लेबाज़ी क्रम श्रीलंकाई गेंदबाज़ों के आगे जूझती रही और स्टंप्स तक उसने 8 विकेट के नुक़सान पर 220 रन बना लिए हैं। ओपनर शादमान इस्लाम ने टीम के लिए सर्वाधिक 46 रन बनाए, लेकिन उन्हें भी बड़ी पारी खेलने का मौक़ा नहीं मिला। वहीं श्रीलंका की ओर से विश्वा फर्नांडो, दिनुषा गुणातिलका और असिथा **फर्नांडो ने 2-2 विकेट हासिल किए।**

टॉस और पिच की स्थिति

बांग्लादेश के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया, जो शुरुआत में कुछ हद तक सही लगा, लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ा, श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने पिच से भरपूर मदद उठाई। कोलंबो की पिच शुरुआत में थोड़ी धीमी थी लेकिन जैसे ही गेंद पुरानी होती गई, स्पिन और रिवर्स स्विंग का असर दिखने लगा।

बांग्लादेश के श्रीलंका दौरे का दूसरा मैच कोलंबो में खेला जा रहा है। बुधवार को मैच का पहला दिन है। स्टंप्स तक बांग्लादेश ने 8 विकेट पर 220 रन बना लिए हैं। तैजुल इस्लाम 9 और इबादत हुसैन 5 रन पर नाबाद हैं। श्रीलंका से असिथा फर्नांडो, सोनल दिनुषा और विश्वा फर्नांडो 2-2 विकेट ले चुके हैं।

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। हालांकि टीम को पहला झटका 5 रन के स्कोर पर ही लग गया। अनमुल हक बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। उन्हें असिथा फर्नांडो ने बोल्ड किया। दूसरा विकेट 43 रन के स्कोर पर गिरा। मोमिनुल हक 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें धनंजय डी सिल्वा ने आउट किया। लिटन दास (34 रन) के आउट होते ही टी-ब्रेक का ऐलान कर दिया गया। उन्हें सोनल दिनषा ने कसल मेंडिस के हाथों कैच कराया। उन्होंने 67 रनों की पार्टनरशिप को ब्रेक किया। शादमान इस्लाम 46, कप्तान नजमुल हसन शांतो 8 रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो और सोनल दिनुषा 2-2 विकेट ले चुके हैं।

पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था

श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। बांग्लादेश ने पांचवें दिन दूसरी पारी 285/6 के स्कोर पर डिक्लेयर कर दी। श्रीलंका को जीत के लिए 296 रन बनाने थे। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब श्रीलंका का स्कोर 72/4 था। गॉल टेस्ट में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 495 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम पहली पारी 485 पर ऑलआउट हुई। पांचवें दिन बारिश की वजह से मैच कई बार रुका था।

टेस्ट के बाद वनडे सीरीज

श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी। पहला वनडे 2 जुलाई और दूसरा 5 जुलाई को कोलंबो में खेला जाएगा। तीसरा और आखिरी वनडे 8 जुलाई को पल्लेकेले में होगा।

वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम

मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, नईम शेख, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, लिटन दास, जेकर अली अनिक, शमीम हुसैन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा।

मैच का अगला दिन: किसका पलड़ा भारी?

बांग्लादेश की टीम अब आखिरी दो विकेटों के साथ दूसरे दिन की शुरुआत करेगी। अगर तैजुल इस्लाम और ख़ालिद अहमद कुछ और रन जोड़ पाए, तो टीम 250 का आंकड़ा पार कर सकती है जो इस पिच पर एक चुनौतीपूर्ण स्कोर होगा। श्रीलंका की बल्लेबाज़ी में कुशल मेंडिस, एंजेलो मैथ्यूज़ और कप्तान धनंजय डी सिल्वा जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, इसलिए बांग्लादेशी गेंदबाज़ों को दूसरे दिन शुरू से ही सटीक लाइन और लेंथ रखनी होगी।

बांग्लादेश की पारी: संघर्ष और संयम का मिला-जुला रूप

बांग्लादेश की शुरुआत बेहद सतर्क रही। ओपनर शादमान इस्लाम और तमीम इक़बाल ने पहले 12 ओवर तक श्रीलंकाई गेंदबाज़ों को जमकर खेला। तमीम ने कुछ आकर्षक शॉट खेले, लेकिन 28 के स्कोर पर वो फर्नांडो की अंदर आती गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। उनका निजी स्कोर 24 रन रहा, जिसमें 4 चौके शामिल थे। शादमान इस्लाम ने एक छोर संभाले रखा और 112 गेंदों में 46 रनों की जुझारू पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 7 शानदार चौके लगाए। लेकिन वह अर्धशतक से पहले ही दिनुषा की एक तेज़ इनस्विंग गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए।

क्रिकेटर रिंकू सिंह यूपी में बन सकते हैं अफसर

-खेल निदेशक ने भेजी फाइल

इंडियन टीम के स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह जल्द यूपी में शिक्षा विभाग के अधिकारी बनेंगे। उन्हें स्पोर्ट्स कोटे में नौकरी मिलेगी। खेल विभाग ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) के पद पर नियुक्त किए जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। सीएम योगी की तरफ से प्रस्ताव को जल्द मंजूर किए जाने की उम्मीद है। वित्त विभाग और बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने प्रस्ताव की पुष्टि की है। हालांकि खेल मंत्री गिरीश यादव को इस प्रस्ताव की कोई जानकारी नहीं है। 'दैनिक भास्कर' से बातचीत में खेल मंत्री ने कहा, ऐसा कोई प्रस्ताव उनकी जानकारी में नहीं है। वहीं, खेल विभाग के डायरेक्टर आरपी सिंह का कहना है कि प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते सितारे रिंकू सिंह अब क्रिकेट के मैदान के साथ-साथ सरकारी कुर्सी पर भी नजर आ सकते हैं। उत्तर प्रदेश के रहने वाले रिंकू सिंह को राज्य सरकार की ओर से एक अधिकारी का पद देने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। हालांकि, इस प्रस्ताव पर खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव का बयान चौंकाने वाला रहा। जब मीडिया ने इस संबंध में उनसे सवाल पूछा तो उन्होंने कहा, "हमें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। यह प्रस्ताव हमारे पास नहीं आया है। जब फाइल आएगी, तब विचार किया जाएगा।" मंत्री के इस बयान से साफ है कि इस मसले को लेकर विभागीय स्तर पर समन्वय की कमी है।

कौन हैं रिंकू सिंह?

रिंकू सिंह यूपी के अलीगढ़ जिले के रहने वाले हैं और बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता गैस सिलेंडर डिलीवरी का काम करते थे। गरीबी और संघर्ष भरे जीवन से निकलकर रिंकू ने क्रिकेट की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाई। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) की ओर से खेलते हुए उन्होंने 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी ओवर में लगातार 5 छक्के मारकर सनसनी मचा दी थी। इसके बाद वे राष्ट्रीय टीम में भी शामिल हुए और भारत के लिए टी20 मैच खेले।

खेल कोटे से नौकरी की मांग

उत्तर प्रदेश सरकार की खेल नीति के अनुसार, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान है। इसी नीति के तहत खेल निदेशालय ने रिंकू सिंह को अफसर बनाने के लिए एक फाइल तैयार की है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें युवा कल्याण एवं खेल विभाग में किसी सम्मानजनक पद पर नियुक्त किया जा सकता है, जिसमें उन्हें ग्रेड 'बी' या 'सी' के अधिकारी का दर्जा दिया जा सकता है।

wराज्य के खेल निदेशक ने यह फाइल मुख्य सचिव कार्यालय और खेल मंत्रालय को भेज दी है। खेल निदेशालय का मानना है कि रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी को राज्य सरकार की ओर से उचित सम्मान मिलना चाहिए, ताकि अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिले। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि रिंकू सिंह की पृष्ठभूमि और उपलब्धियों को देखते हुए यह नियुक्ति प्रेरणादायक साबित होगी।

ईरान के पुराने मित्र चीन ने इजराइल से जंग के दौरान अपनाया सावधानीपूर्ण कूटनीति का रास्ता

» न्यूयॉर्क, भाषा।

इजराइल ने जब दो सप्ताह पहले ईरान पर हमला किया तो तेहरान के पुराने मित्र चीन ने तुरंत हरकत में आते हुए हमलों की निंदा की। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करके संघर्ष विराम कराने का आह्वान किया। विदेश मंत्री वांग ई ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बात की। लेकिन इसके बाद चीन यहीं थम गया। फिर हमेशा की तरह ही बयानबाजी की गई। तनाव कम करने और बातचीत का आह्वान किया गया। लेकिन ईरान को उसने कोई सहायता नहीं दी। अमेरिका को टक्कर देने वाले देश के रूप में अपने प्रभाव और वैश्विक मंच पर बड़ी भूमिका निभाने की महत्वाकांक्षा के बावजूद चीन ने ईरान को सैन्य सहायता देने से परहेज किया। इस फैसले ने पश्चिम एशिया में उसके सामने मौजूद सीमाओं को उजागर कर दिया। गैर-लाभकारी वैश्विक नीति थिंकटैंक रैंड में चाइना रिसर्च सेंटर के निदेशक जूड ब्लैंचैट ने कहा, बीजिंग के पास कूटनीतिक क्षमता और जोखिम उठाने के माद्दे का अभाव है, जिसके दम पर वह इस तेजी से बदलते और अस्थिर हालात में तुरंत हस्तक्षेप करके उनसे सफलतापूर्वक निपट सके।

उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया की उलझी हुई राजनीति को देखते हुए चीन वहां के मामलों में पड़ने का इच्छुक नहीं है, इसके बजाय वह एक संतुलित, जोखिम से बचने वाला सहयोगी बने रहने का विकल्प चुनता है। पूर्वी चीन में नानजिंग विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध विद्यालय के डीन झू फेंग का मानना है कि पश्चिम एशिया में अस्थिरता चीन के हित में नहीं है। झू ने कहा, चीन के दृष्टिकोण से, इजराइल-ईरान संघर्ष से चीन के व्यापारिक हितों और आर्थिक सुरक्षा के सामने चुनौती पैदा होती है। और वह ऐसा नहीं होने देना चाहता। ईरान की संसद में पिछले हफ्ते के आखिर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की योजना पेश की गई, जिसका चीन ने विरोध किया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने ईरानी संसद में योजना पेश किए जाने के बाद कहा, चीन अंतरराष्ट्रीय समुदाय से संघर्षों को खत्म करने और क्षेत्रीय उथल-पुथल से वैश्विक आर्थिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव को रोकने के लिए प्रयास तेज करने का आह्वान करता है।

अमेरिकी हमलों के बाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम कुछ महीने पीछे गया, पूरी तरह तबाह नहीं हुआ: रिपोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिका की एक नई खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी हमले के बाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम कुछ महीने पीछे चला गया है लेकिन पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है, जैसा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है। शुरुआती आकलन से अवगत दो व्यक्तियों ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। रक्षा खुफिया एजेंसी की ओर से सोमवार को जारी यह रिपोर्ट ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों की स्थिति को लेकर ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बयानों के विपरीत है। जानकारी देने वाले व्यक्तियों ने बताया कि रिपोर्ट में पता चला है कि ईरान के फोर्दो, नतांज और इस्फहान परमाणु स्थलों पर शनिवार को हुए हमलों से अच्छा खासा नुकसान हुआ है, लेकिन वे पूरी तरह नष्ट नहीं हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के हमलों से पहले ही ईरान के अत्यंत संवर्धित यूरेनियम के एक हिस्से को दूसरी जगहों पर स्थानांतरित कर दिया गया था।

ईरान ने इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में तीन और कैदियों को फांसी दी

दुबई। ईरान ने इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप में बुधवार को तीन और कैदियों को फांसी दे दी। ईरान की सरकारी इरना समाचार एजेंसी ने इस बारे में खबर दी। कैदियों को ईरान के पश्चिम अजरबैजान प्रांत की उर्मिया जेल में फांसी दी गई। पश्चिम अजरबैजान देश का सबसे उत्तर पश्चिमी प्रांत है। इरना ने खबर में ईरान की न्यायपालिका का हवाला देते हुए कहा कि इन व्यक्तियों पर देश में हथियार लाने का आरोप था। ईरान ने इजराइल के साथ अपने युद्ध के दौरान कई लोगों को फांसी की सजा दी है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने आशंका जताई है कि संघर्ष समाप्त होने के बाद कई और लोगों को फांसी पर लटकाया जा सकता है। फांसी पर लटकाए गए तीनों व्यक्तियों की पहचान ईरान ने आजाद शोजाई, इद्रिस आली और इराकी नागरिक रसूल अहमद रसूल के रूप में की है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इससे पहले आशंका जताई थी कि इन लोगों को फांसी पर लटकाया जा सकता है। बुधवार को दी गई फांसी के साथ ही 16 जून से युद्ध के दौरान जासूसी के आरोप में फांसी की सजा पाने वालों की कुल संख्या छह हो गई है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आशंका जताई है कि और अधिक लोगों को फांसी दी जा सकती है।

अमेरिकी हमलों के बाद ईरान समर्थक हैकर्स ने बैंकों और तेल कंपनियों को बनाया निशाना

वाशिंगटन। ईरान का समर्थन करने वाले हैकर्स ने तेहरान के परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हमलों के बाद उसके बैंकों, रक्षा ठेकेदारों और तेल कंपनियों को निशाना बनाया है लेकिन वे अभी तक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे या अर्थव्यवस्था को व्यापक नुकसान नहीं पहुंचा पाए हैं। विश्लेषकों और साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि यदि ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष विराम टूटता है या ईरान का समर्थन करने वाले स्वतंत्र हैकिंग समूह अमेरिका के खिलाफ डिजिटल युद्ध छेड़ने के अपने वादे पर कायम रहते हैं तो यह स्थिति बदल सकती है। उद्यमी एवं निवेशक अर्नी बेलिनी के अनुसार, अमेरिकी हमलों से ईरान, रूस, चीन और उत्तर कोरिया साइबर युद्ध में अपने निवेश को और बढ़ा सकते हैं। बेलिनी ने कहा कि हैकिंग अभियान गोलियों, विमानों या परमाणु हथियारों की तुलना में बहुत सस्ते होते हैं। फलस्तीनी समर्थक दो हैकर समूहों ने दावा किया कि उन्होंने अमेरिकी हमलों के बाद दर्जनों विमानन कंपनियों, बैंकों और तेल कंपनियों को निशाना बनाया है। संघीय प्राधिकारियों ने कहा कि वे अमेरिका की नेटवर्क सुरक्षा में सेंध लगाने के हैकर्स के अतिरिक्त प्रयासों को लेकर सतर्क हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने प्रस्ताव के विरोध में मतदान किया

ईरान पर हमलों को लेकर ट्रंप के खिलाफ प्रतिनिधि सभा में पेश महाभियोग प्रस्ताव खारिज

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने संसदीय मंजूरी के बगैर ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर महाभियोग चलाने के प्रयासों के खिलाफ मंगलवार को बढ़-चढ़कर मतदान किया। इस संबंध में पेश प्रस्ताव के विरोध में 344 और पक्ष में 79 वोट पड़े। टेक्सास से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद एल ग्रीन ने यह प्रस्ताव पेश किया, जिसपर संक्षिप्त चर्चा हुई और उनकी पार्टी में ही विभाजन हो गया। डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सांसदों ने प्रस्ताव के विरोध में मतदान किया। ग्रीन ने मतदान से पहले कहा, मैं ऐसा इसलिए कर रहा हूं क्योंकि किसी भी व्यक्ति को अमेरिकी संसद से परामर्श किए बिना 30 करोड़ लोगों को युद्ध में झोंकने का अधिकार नहीं होनी चाहिए। मैं समझता हूं कि या तो संविधान सार्थक साबित होगा या निरर्थक बन जाएगा। ट्रंप पर महाभियोग की यह पहली कोशिश नहीं है, लेकिन यह दिखाता है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सदस्य विशेष रूप से ईरान के परमाणु केंद्रों पर अचानक हमले के बाद से उनके प्रशासन से असहज हैं, जो पश्चिम एशिया के मामलों में एक जोखिम भरा हस्तक्षेप है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने ग्रीन की सीधे तौर पर तो आलोचना नहीं की, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि उनका ध्यान दूसरे मुद्दों पर है।

महाभियोग के मामलों में आमतौर पर पार्टी नेतृत्व की ओर से किसी खास तरीके से वोट करने का दबाव नहीं होता। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद और प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक कॉकस के अध्यक्ष पीट एगुइलर ने आगामी दिनों संसद में पारित होने वाले ट्रंप के बड़े कर छूट पैकेज का जिक्र करते हुए कहा, मुझे लगता है कि इससे अलग किसी चीज पर ध्यान केंद्रित करना ध्यान भटकाने वाला होगा, क्योंकि यही सबसे महत्वपूर्ण चीज है जिस पर हम ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रंप के राष्ट्रपति रहते उनके खिलाफ दो बार महाभियोग प्रस्ताव पेश कर चुकी है। 2019 में रूस के सैन्य आक्रमण का सामना कर रहे यूक्रेन को दी जाने वाली धनराशि रोकने के लिए उनके खिलाफ पहली बार महाभियोग प्रस्ताव पेश किया गया था। ट्रंप के समर्थकों ने 2021 में राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रिटिक पार्टी के जो बाइडन की जीत के विरोध में छह जनवरी को कैपिटल हिल पर हमला कर दिया था, जिसको लेकर ट्रंप के खिलाफ दूसरा महाभियोग प्रस्ताव पेश किया गया था। हालांकि दोनों महाभियोग मामलों में संसद के उच्च सदन सीनेट ने ट्रंप को आरोपों से बरी कर दिया था, जिसके बाद उन्हें दोबारा राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का मौका मिल गया था।

रक्षा खर्च बढ़ाने पर सहमति के लिए नाटो नेताओं की बैठक में ज़ेलेंस्की को दरकिनार किया गया

» द हेग (नीदरलैंड), भाषा।

यूक्रेन के खिलाफ जारी रूस के युद्ध और आक्रामकता के बीच नाटो नेताओं ने बुधवार को रक्षा खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि पर सहमति व्यक्त की, लेकिन इस दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की दरकिनार दिखाई दिए। वर्ष 2022 से रूस के साथ युद्ध में उलझा यूक्रेन हमेशा नाटो शिखर सम्मेलन में चर्चा के केंद्र में रहा है, लेकिन जब गठबंधन के नेताओं की वार्षिक बैठक हेग में शुरू हुई, तो जेलेंस्की कमरे में नहीं थे। इसके बजाय, जेलेंस्की ने शिखर सम्मेलन स्थल पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित नेताओं के साथ आमने-सामने की बैठकों की एक श्रृंखला निर्धारित की। इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका में ओवल ऑफिस में ट्रंप और जेलेंस्की की झड़प हुई थी। ट्रंप ने शिखर सम्मेलन में शामिल होने से पहले संवाददाताओं से कहा, ठीक है, हम स्पष्ट बातों पर चर्चा करेंगे। हम उनकी (जेलेंस्की) कठिनाई पर चर्चा करेंगे। उन्हें थोड़ी कठिनाई है। वह एक अच्छे आदमी हैं। मेरा मतलब है, मैं आज उनसे मिलने जा रहा हूं। मुझे नहीं पता, मुझे लगता है कि हम यूक्रेन पर चर्चा करने जा रहे हैं।

अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन के नाटो में शामिल होने के प्रयास को अवरुद्ध कर दिया है। इस संघर्ष ने यूक्रेनी शहरों को बर्बाद कर दिया है और हज़ारों नागरिकों की मौत हुई है। पिछले हफ्ते ही रूस ने कीव पर सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक को अंजाम दिया था। मंगलवार को जेलेंस्की ने हेग में एक बैठक से दूसरी बैठक में भाग लिया। उन्हें शिखर सम्मेलन के मेज़बान नीदरलैंड से सैन्य सहायता के लिए वचन मिला, जिसमें रूसी ड्रोन को रोकने के लिए नए ड्रोन और रडार शामिल हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने घोषणा की कि ब्रिटेन यूक्रेन को 350 हवाई रक्षा मिसाइल प्रदान करेगा, जिसका वित्तपोषण जब्त रूसी परिसंपत्तियों पर ब्याज से जुटाई गई सात करोड़ पाउंड की राशि से किया जाएगा।

ईरान और इजराइल के बीच नाजुक संघर्षविराम से दीर्घकालिक शांति की उम्मीद जगी

दुबई, (भाषा)। इजराइल और ईरान के बीच नाजुक संघर्षविराम मुश्किलों भरी शुरुआत के बाद बुधवार को कायम होता दिखाई दिया, जिससे यह उम्मीद जगी है कि एक दीर्घकालिक शांति समझौता हो सकता है। हालांकि तेहरान ने इस बात पर जोर दिया है कि वह अपना परमाणु कार्यक्रम नहीं छोड़ेगा। इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के 12वें दिन मंगलवार को संघर्षविराम लागू हो गया। हालांकि दोनों पक्षों ने शुरू में एक दूसरे पर इसका उल्लंघन करने का आरोप लगाया, लेकिन अंततः मिसाइल, ड्रोन और बम के हमले बंद हो गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को नीदरलैंड में नाटो शिखर सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि यह (संघर्षविराम) बहुत अच्छी तरह से जारी है। संघर्षविराम तक पहुंचने में मदद करने वाले ट्रंप ने कहा, वे बम नहीं बनाएंगे और वे संवर्धन नहीं करेंगे। हालांकि, ईरान ने इस बात पर जोर दिया है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम को नहीं छोड़ेगा। वहीं ईरानी संसद ने एक मतदान में एक प्रस्ताव को तेजी से आगे बढ़ने पर सहमति जताई, जो वियना स्थित संयुक्त राष्ट्र संगठन अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ देश के सहयोग को प्रभावी रूप से रोक देगा। आईएईए ईरान के परमाणु कार्यक्रम की वर्षों से निगरानी कर रहा है। मतदान से पहले, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कलीबाफ ने आईएईए की आलोचना की कि उसने रविवार को अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर किए गए हमले की निंदा भी नहीं की। कलीबाफ ने सांसदों से कहा, इस कारण से, ईरान का परमाणु ऊर्जा संगठन आईएईए के साथ सहयोग को तब तक निलंबित रखेगा जब तक कि परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती और ईरान का शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम तेज गति से आगे बढ़ेगा। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हुए हमले किए थे। इस हमले के बारे में ट्रंप ने कहा है कि इससे ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से नष्ट हो गया। पश्चिम एशिया के लिए ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मंगलवार देर रात फॉक्स न्यूज पर कहा कि इजराइल और अमेरिका ने अब ईरान में संवर्धन क्षमता के पूर्ण विनाश के अपने उद्देश्य को प्राप्त कर लिया है और वार्ता के लिए ईरान की शर्त - कि इजराइल अपना अभियान समाप्त करे - भी पूरी हो गई है। नाटो शिखर सम्मेलन में, जब उनसे अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट के बारे में पूछा गया, जिसमें पाया गया कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को केवल कुछ महीने पीछे धकेल दिया गया है, तो ट्रंप ने उपहास किया और कहा कि इसे फिर से खड़ा करने में वर्षों लगेंगे।

न्यूज ब्रीफ

दमिश्क में चर्च पर हुए घातक हमले में इस्लामिक स्टेट समूह का हाथ : सीरिया

» दमिश्क (सीरिया), भाषा।

सीरिया के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने जानकारी दी कि दमिश्क के पास एक चर्च में घातक बम विस्फोट, इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े एक स्लीपर सेल ने किया था। प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि इस समूह की योजना एक शिया धार्मिक स्थल पर भी इसी तरह का हमला करने की थी। रविवार को मार एलियास चर्च पर हुए हमले में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई थी। नूरीदीन अल-बाबा ने पत्रकारों को बताया कि सोमवार को एक दूसरा हमलावर पकड़ा गया, जो दमिश्क के सैय्यदा ज़ैनब उपनगर में स्थित एक शिया दरगाह को निशाना बनाने जा रहा था। यह इलाका इस्लामिक संप्रदाय के कई धार्मिक स्थलों के लिए जाना जाता है। अल-बाबा ने बताया कि सुरक्षाबलों ने एक तीसरे हमले की साजिश को भी नाकाम किया, जिसमें एक हमलावर मोटरसाइकिल पर सवार होकर राजधानी में किसी भीड़भाड़ वाले स्थान को निशाना बनाने वाला था।

अल-बाबा ने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा, हमने आईएस के ठिकानों पर छापेमारी की और वहां से हथियारों व विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया। अल-बाबा ने बताया कि दूसरे हमलावर से पूछताछ के बाद सुरक्षाबलों को स्लीपर सेल के सरगना तक पहुंचने में सफलता मिली। उन्होंने यह भी बताया कि चर्च पर हमला करने वाला व्यक्ति सीरियाई नागरिक नहीं था। अल-बाबा ने कहा कि स्लीपर सेल का मुखिया मोहम्मद अब्देलिल्लाह अल-जुमैली एक आईएस नेता था, जो उत्तर-पूर्वी सीरिया में फैले अल-होल शिविर से चरमपंथियों को हमलों के लिए भर्ती करने के लिए जिम्मेदार था।

भारतीय-अमेरिकी जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में विजई घोषित

» न्यूयॉर्क, भाषा।

भारतीय-अमेरिकी सांसद जोहरान क्वामे ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्युमो को हरा दिया है। प्रख्यात भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडा के लेखक महमूद ममदानी के बेटे जोहरान को मंगलवार रात को मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में विजेता घोषित किया गया। ममदानी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नेल्सन मंडेला के शब्दों में-कठिन से कठिन कार्य भी तब तक असंभव लगता है, जब तक हम उसे पूरा नहीं कर लेते। मेरे दोस्तों, यह पूरा हो चुका है। और आप ही हैं जिन्होंने इसे पूरा किया है।

मुझे न्यूयॉर्क शहर के मेयर के लिए आपका डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने पर गर्व है। ममदानी का जन्म 18 अक्टूबर 1991 को युगांडा के कम्पाला में हुआ था और उनका पालन-पोषण न्यूयॉर्क सिटी में हुआ। जब वह सात साल के थे, तब अपने माता-पिता के साथ न्यूयॉर्क आकर बस गए थे। उनकी मां मीरा नायर ने मानसून वेडिंग और सलाम बॉम्बे जैसी फ़िल्मों के लिए प्रशंसा बटोरी है। क्वीन्स से राज्य विधानसभा सदस्य और मेयर पद के लिए चुनाव लड़ रहे डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट ममदानी का विवाह ब्रुकलिन में रहने वाली सीरियाई मूल की कलाकार रमा दुवाजी से हुआ है। अमेरिकी सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने ममदानी और उनके हजारों जमीनी समर्थकों को उनके असाधारण अभियान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, आपने (ममदानी) राजनीतिक, आर्थिक और मीडिया प्रतिष्ठानों का सामना किया और उन्हें हरा दिया। अब आम चुनाव में जीत की बारी है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने क्वीन्स में एक विजई समारोह में ममदानी के हवाले से कहा, मेरे दोस्तों, हमने यह कर दिखाया है। मैं न्यूयॉर्क सिटी के मेयर के लिए आपका डेमोक्रेटिक उम्मीदवार रहूंगा। यौन उत्पीड़न कांड के बाद वापसी का प्रयास कर रहे क्युमो ने समर्थकों से कहा कि उन्होंने ममदानी को फोन करके बधाई दी है। क्युमो ने हार स्वीकार करते हुए कहा, आज की रात, हमारी रात नहीं है। आज की रात, उनकी (ममदानी) रात है। वह इसके हकदार है। वह जीत गए। यौन उत्पीड़न कांड के बाद गवर्नर पद से क्युमो (67) के इस्तीफे के करीब चार साल बाद यह चुनाव हुआ है। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि क्युमो ने कम से कम 11 महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया। हालांकि, क्युमो यह कहते रहे हैं कि उन्होंने जानबूझकर महिलाओं का उत्पीड़न नहीं किया और उन्होंने केवल कार्यस्थल पर उचित आचरण पर जोर दिया था। इस बीच, ममदानी ने संकल्प जताया है कि वह मेयर के रूप में सभी स्थाई किराएदारों के लिए किराए को फ्रीज कर देंगे तथा न्यूयॉर्क वासियों की जरूरत के अनुसार आवास बनाने और किराया कम करने के लिए हर उपलब्ध संसाधन का उपयोग करेंगे।

बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने जमात-ए-इस्लामी का पंजीकरण बहाल किया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी पार्टी का पंजीकरण और चुनाव चिह्न बहाल कर दिया है। बांग्लादेश संवाद संस्था की खबर के अनुसार, आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद के हस्ताक्षर वाली एक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से मंगलवार को यह घोषणा की गई। बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने एक जून को चुनाव आयोग को दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी पार्टी का पंजीकरण बहाल करने का आदेश दिया था। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा पार्टी पर से प्रतिबंध हटाने के लगभग आठ महीने बाद न्यायालय का निर्णय आया।

इससे चुनावों में इसकी भागीदारी का रास्ता साफ हो गया। आयोग ने दिसंबर 2018 में उच्च न्यायालय के एक फैसले के अनुरूप जमात का पंजीकरण रद्द कर दिया था, जो 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की आजादी के खिलाफ थी। साल 2013 में, बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने जमात-ए-इस्लामी का पंजीकरण रद्द कर दिया और फैसला सुनाया कि पार्टी राष्ट्रीय चुनाव लड़ने के लिहाज से अयोग्य है।

भारत के साथ सार्थक बातचीत के लिए तैयार है पाकिस्तान : प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

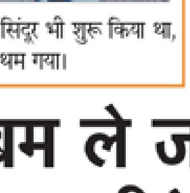

इस्लामाबाद, (भाषा)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि उनका देश सभी लंबित मुद्दों के समाधान के लिए भारत के साथ सार्थक वार्ता के लिए तैयार है। शरीफ ने यह विचार मंगलवार को सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान व्यक्त किए। यह बातचीत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के करीब दो महीने बाद हुई है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, प्रधानमंत्री शरीफ ने बातचीत के दौरान कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर, जल, व्यापार और आतंकवाद सहित सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ सार्थक बातचीत करने के लिए तैयार है। इस बीच, शरीफ और सऊदी नेता ने पश्चिम एशिया के मौजूदा घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। पहलगाम आतंकी हमले के तुरंत बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया और पाकिस्तान के साथ सभी व्यापारिक गतिविधियां रोकने जैसे कदम उठाए। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सात मई को ऑपरेशन सिंदूर भी शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तानी इलाकों में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया था। इस हमले के बाद चार दिनों तक संघर्ष जारी रहा, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के बाद थम गया।

जापान-अमेरिका संबंध की समीक्षा | ट्रंप की शुल्क नीति अमेरिका और जापान के बीच दरार का मूल कारण

जापानी प्रधानमंत्री का नाटो शिखर सम्मेलन में नहीं जाना अमेरिका के साथ संबंधों में तनाव का संकेत

» तोक्यो, भाषा।

जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने अमेरिका के ट्रंप प्रशासन को स्पष्ट संकेत दिया है जापान-अमेरिका संबंध बहुत गंभीर स्थिति में है। कुछ दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि वह इस सप्ताह हेग में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, लेकिन अंतिम समय में उन्होंने अचानक अपना नाम वापस ले लिया। शिगेरु इशिबा के अलावा भारत-प्रशांत क्षेत्र के दो अन्य नेता- आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग भी शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हो रहे हैं।

जापानी मीडिया के मुताबिक, इशिबा ने अपनी यात्रा इसलिए रद्द की क्योंकि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात होने की उम्मीद नहीं थी और इंडो-पैसिफिक फोर (आईपी4) साझेदार (ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया और जापान) की बैठक भी शायद नहीं होती। फिर भी जापान का प्रतिनिधित्व उसके विदेश मंत्री ताकेशी इवाया करेंगे, जो नाटो के साथ अपने सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने की इच्छा दर्शाएंगे। हालांकि, इशिबा के इस बैठक में शामिल नहीं होने से यह पता चलता है कि वाशिंगटन द्वारा जापान पर भारी शुल्क लगाने के बाद जापान ट्रंप प्रशासन के साथ अपने संबंधों को किस तरह देखता है। ट्रंप की शुल्क नीति अमेरिका और जापान के बीच दरार का मूल कारण है। इशिबा ने ट्रंप प्रशासन के साथ संबंधों को अच्छी शुरुआत देने का प्रयास किया। वे इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बाद व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिलने वाले दूसरे वैश्विक नेता थे। हालांकि, ट्रंप द्वारा लगाए गए लिबरेशन डे शुल्क में जापानी कारों पर 25 प्रतिशत और अन्य सभी जापानी सामानों पर 24 प्रतिशत का भारी शुल्क लगाया है। इनका जापान की अर्थव्यवस्था पर पहले से ही नकारात्मक असर पड़ रहा है मई में अमेरिका को भेजी गई जापानी कारों का निर्यात पिछले साल की तुलना में 25 प्रतिशत कम हो गया। अब तक छह दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन बहुत कम प्रगति हुई है, क्योंकि इशिबा की सरकार सभी शुल्क से पूरी छूट पर जोर दे रही है। ट्रंप प्रशासन जापान पर रक्षा खर्च बढ़ाने का दबाव बना रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक खबर के अनुसार, इसी मांग को लेकर तोक्यो ने अमेरिका और जापान के रक्षा और विदेश मंत्रियों के बीच होने वाली एक बैठक रद्द कर दी। सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए हमलों का जापान ने पूरा समर्थन नहीं किया। जापान के विदेश मंत्री ने सिर्फ इतना कहा कि जापान समझता है कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना चाहता है। जापान और ईरान के संबंध पारंपरिक रूप से अच्छे रहे हैं। जापान अक्सर पश्चिम और ईरान के बीच एक सेतु का काम करता रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने 2019 में ईरान की यात्रा भी की थी। जापान अब भी पश्चिम एशिया के तेल पर काफी निर्भर है। अगर ईरान ने होरमुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया होता, जिसकी वह धमकी दे रहा था, तो जापान की ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ता। ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया ने हमलों का समर्थन किया, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया के विपरीत इशिबा सरकार ने अंतरराष्ट्रीय कानून और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को प्राथमिकता दी। जापान चाहता है कि चीन, रूस और उत्तर कोरिया को बल प्रयोग और क्षेत्रीय आक्रामकता के वैश्विक नियमों को इसी तरह कमजोर करने का कोई मौका न मिले।

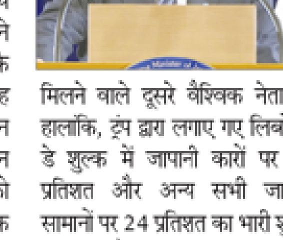

ब्रिटेन परमाणु बम ले जाने में सक्षम एफ-35 विमान खरीदेगा : स्टार्मर

» द हेग (नीदरलैंड), भाषा।

ब्रिटेन परमाणु बम ले जाने में सक्षम 12 अमेरिका निर्मित एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदेगा और नाटो के साझा हवाई परमाणु मिशन में शामिल होगा। प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने बुधवार को यह घोषणा की। सरकार ने इसे एक पीढ़ी में ब्रिटेन की परमाणु स्थिति की सबसे बड़ी मजबूती करार दिया। स्टार्मर ने नीदरलैंड में नाटो शिखर सम्मेलन में भाग लेने के दौरान यह घोषणा की। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे नाटो में ब्रिटेन का एक और मजबूत योगदान बताया। शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद 1990 के दशक में ब्रिटेन ने विमानों से गिराए जाने वाले परमाणु हथियारों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया। अब इसके परमाणु शस्त्रागार में पनडुब्बी-आधारित मिसाइल शामिल हैं।

केवल तीन नाटो सदस्य - अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस परमाणु शक्ति संपन्न हैं, जबकि सात देश गठबंधन के परमाणु मिशन में योगदान के तहत ऐसे जेट विमान उपलब्ध कराते हैं जो या तो पारंपरिक हथियार ले जा सकते हैं या यूरोप में जमा करके रखे गए अमेरिकी बी61 बम ले जा सकते हैं। स्टार्मर ने यह भी घोषणा की कि ब्रिटेन यूक्रेन को 350 हवाई रक्षा मिसाइल प्रदान करेगा, जिसका वित्तपोषण जब्त रूसी परिसंपत्तियों पर ब्याज से जुटाई गई सात करोड़ पाउंड की राशि से किया जाएगा। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब ब्रिटेन और अन्य नाटो सदस्यों ने 2035 तक सुरक्षा पर खर्च को सकल घरेलू उत्पाद का पांच प्रतिशत तक बढ़ाने का संकल्प लिया है।

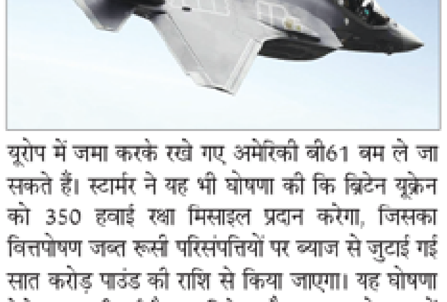

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मो. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,